RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से रूबरू

smarthalchal.com

स्मार्ट हलचल

वर्ष: 11 अंक: 66 | जयपुर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, बुधवार, 02 सितंबर 2026 | मूल्य: 4 रुपए | पृष्ठ: 08

▸ अब तक 1,003 शव बरामद, 4 हजार से ज्यादा लोग लापता

नेपाल में करीब 167 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से नीचे आया था बाढ़ का मलबा

शुरुआती स्टडी में हुआ खुलासा, आइस-रॉक में करीब 10-20 करोड़ घन मीटर बर्फ, चट्टान और मलबा था, 300 मीटर चौड़ी नदी 1300 मीटर की हो गई

● नई दिल्ली

नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ के शुरुआती वैज्ञानिक आकलन में इसके पीछे ग्लेशियल झील के फटने के बजाय ग्लेशियर स्लोप की उत्तरी ढलान से विशाल आइस-रॉक का टूटना सामने आया है।

नेपाल एनएएमसीए मेंट की विशेषज्ञ टीम के शुरुआती स्टडी के मुताबिक, करीब 5,200 मीटर की ऊंचाई से ग्लेशियर की बर्फ और चट्टानों का बड़ा हिस्सा टूटकर ग्लेटे खोला में गिरा। इसके बाद बर्फ, चट्टान, पानी और मलबे ने मिलकर बेहद तेज फ्लश फ्लड का रूप ले लिया। इसकी औसत रफ्तार करीब 46.3 मीटर प्रति सेकेंड यानी 167 किलोमीटर प्रति घंटा दर्ज की गई। स्टडी में अनुमान लगाया गया है कि आइस-रॉक में करीब 10-20 करोड़ घन मीटर बर्फ, चट्टान और मलबा था। यह 2021 के चमोली हादसे में टूटे मलबे की तुलना में करीब चार से आठ गुना बड़ा हो सकता है। इस हादसे में अब तक 1,003 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि करीब 4 हजार लोग लापता हैं। नेपाल के आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के मुताबिक, सुरक्षाबलों ने अब तक आठ जिलों से 1,003 शव बरामद किए हैं।

जिंदगी की तलाश जारी, बारिश ने फिर बढ़ाई चिंता

राहत टीमें मलबे से लेकर नदियों के किनारों तक एक-एक जिंदगी की तलाश में जुटी हैं। हालांकि, जगह-जगह सड़कें और पुल बह जाने के चलते जवानों को प्रभावित इलाकों तक पहुंचने में भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। सात दिन बाद भी खतरा टला नहीं है। पूर्वी, मध्य और पश्चिमी नेपाल के कई हिस्सों में भारी बारिश हो रही है। इसके चलते छोटी-बड़ी नदियों का पानी तेजी से बढ़ रहा है। नुवाकोट और रसुवा में अचानक तेज बहाव आने का खतरा सबसे ज्यादा बताया गया है। दो दर्जन से ज्यादा जिलों के लोगों को सावधान रहने को कहा गया है।

तबाह हुए स्कूल को फिर बनवाएगा भारत

नेपाल में 26 अगस्त को आई विनाशकारी बाढ़ ने त्रिशूली घाटी में स्थित त्रिभुवन त्रिशूली सेकेंडरी स्कूल में भारी तबाही मचाई थी। इस स्कूल के प्रिंसिपल ने सूझबूझ का परिचय देते हुए करीब साढे 16 सौ बच्चों, स्कूल कर्मचारियों और अध्यापकों की जान बचा ली थी। हालांकि एक अध्यापक को नहीं बचाया जा सका और वो बाढ़ के पानी में बह गए। बाढ़ ने इस विद्यालय की इमारतों को काफी नुकसान पहुंचाया था। अब भारत ने इस विद्यालय को फिर से बसाने में मदद करने का ऐलान किया है। यह घोषणा नेपाल में भारत के राजदूत ने की है। भारत ने इस विद्यालय को बनाने में पहले भी मदद की थी। भारत के राजदूत ने कहा, यह स्कूल 1950 के दशक में बनाया गया था। इसे एक भारतीय इंजीनियर ने डिजाइन किया था। स्कूल का निर्माण भारत की सहायता से किया गया था।

लाशों को जलाने की जगह दफनाया जा रहा

नेपाल में आई बाढ़ की विभीषिका इंसानी जिंदगी पर कितनी भारी पड़ी है। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि वहां सैकड़ों अज्ञात शवों को बिना पहचान किए सामूहिक तौर पर दफनाया जा रहा है। अब सवाल उठता है कि क्या यह शवों का अंतिम संस्कार है? तकनीकी तौर पर देखें तो नेपाल प्रशासन शवों को दफनाकर इसका अंतिम संस्कार नहीं कर रही, बल्कि इसे सहेजने की कोशिश कर रही है। ताकि, भविष्य में इन लाशों से संबंधित दावेदारों को उनके परिजन के अवशेष डीएनए जांच के बाद सौंपे जा सके। पानी और कीचड़ में दबे शव इतनी बुरी स्थिति में हैं कि इन्हें पहचानना मुश्किल हो गया है। पानी में फूल गए बॉडी तेजी से सड़ रहे हैं। एक-दो या दस की भी बात हो तो शवों को कुछ दिनों तक सुरक्षित रखा जा सकता था। लेकिन, कुछ जगहों पर एक साथ सैकड़ों शव बरामद किए गए हैं और सभी तेजी से सड़ रहे हैं।

मप्र में चीनी स्टॉक तय, 4 हजार क्विंटल तक ही रख सकेंगे डीलर

स्टॉक को 30 दिन से अधिक समय तक भंडारित नहीं कर पाएंगे, पोर्टल पर नियमित अपडेट करना अनिवार्य

● भोपाल

मप्र में कोई भी डीलर 4 हजार क्विंटल से अधिक चीनी का स्टॉक नहीं रखेगा। साथ ही स्टॉक को 30 दिन से अधिक समय तक भंडारित भी नहीं करेगा। सभी डीलरों द्वारा भारत सरकार के खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के पोर्टल पर स्टॉक की घोषणा को नियमित अपडेट करना अनिवार्य होगा। इस संबंध में जरूरी कार्रवाई के निर्देश सभी कलेक्टर को दिए गए हैं।

खाद्य, नागरिक आपूर्ति मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि सरकारी खाते पर या राज्य सरकार या उसके द्वारा प्राधिकृत किसी प्राधिकारी द्वारा विशेष रूप से किसी डीलर के माध्यम से सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अधीन उचित मूल्य की दुकानों के माध्यम से वितरण के लिये स्टॉक के भंडारण पर यह सीमा लागू नहीं होगी। कोई भी थोक उपभोक्ता, जो उत्पादन, उपभोग या उपयोग के लिए कच्चे माल के रूप में किसी भी प्रकार से प्रतिमाह 10 मीट्रिक टन चीनी का उपयोग या उपभोग करता है, वह 15 दिनों से अधिक की अवधि के लिए चीनी का स्टॉक नहीं करेगा। थोक उपभोक्ता से अभिप्राय है हलवाई, मिठाई विक्रेता, शीतल पेय निर्माता, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग आदि, जिसने चालू माह को छोड़कर पिछले एक वर्ष के दौरान औसत मासिक खपत के रूप में न्यूनतम 100 मीट्रिक टन का उपयोग किया है। राज्य सरकार द्वारा इस आदेश का सख्ती से पालन करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए हैं। यह फैसला ऐसे समय आया है जब राशन दुकानों (पीडीएस) के जरिए मिलने वाली सस्ती चीनी अप्रैल महीने से ही बंद है, जिससे आम जनता पर महंगाई की मार पड़ी है। केंद्र सरकार का कहना है कि 15वें वित्त आयोग की मियाद खत्म होने के साथ ही यह सब्सिडी योजना समाप्त हो गई थी।

केंद्र ने 2 हजार क्विंटल लिमिट तय की

त्योहारी सीजन में जमाखोरी रोकने और बाजार में पर्याप्त मात्रा में चीनी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए मंगलवार को केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने व्यापारियों के लिए चीनी के स्टॉक की लिमिट को 4000 क्विंटल से घटाकर 2000 क्विंटल कर दिया। यह नई सीमा 15 सितंबर से 30 नवंबर तक के लिए लागू रहेगी। मौजूदा समय में अभी, देश भर में चीनी व्यापारियों के लिए स्टॉक रखने की सीमा 4000 क्विंटल है, जो 1 अगस्त 2026 से लागू हुई थी। उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के अनुसार, सरकार ने अब स्टॉक रखने की सीमा को घटाकर 2000 क्विंटल कर दिया है। नई समय-सीमा के तहत, कोई भी चीनी व्यापारी स्टॉक मिलने की तारीख से 30 दिनों से ज्यादा समय तक स्टॉक नहीं रखेगा और देश में किसी भी जगह या किसी भी समय 2000 क्विंटल से ज्यादा चीनी स्टॉक में नहीं रखेगा। हालांकि, इलाके की खास बाजार जरूरतों को ध्यान में रखते हुए, कोलकाता और उसके आस-पास के मेट्रोपॉलिटन इलाकों के लिए स्टॉक रखने की सीमा 4000 क्विंटल ही रहेगी। सरकार ने अपने बयान में कहा है कि इस कदम का मकसद जमाखोरी पर और रोक लगाना, सट्टेबाजी वाले व्यापार को हतोत्साहित करना और चीनी के स्टॉक को बहुत ज्यादा जमा होने से रोकना है।

ब्रीफ न्यूज

कमर्शियल रसोई गैस के दाम 9.50 रुपए बढ़े

नई दिल्ली, आरएनएन। तेल कंपनियों ने मंगलवार से होटल, रेस्त्रां आदि में इस्तेमाल होने वाले 19 किलोग्राम के कमर्शियल रसोई गैस सिलेंडर के दाम बढ़ा दिये हैं। देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार, 01 सितंबर से दिल्ली में कमर्शियल रसोई गैस सिलेंडर 2,747.50 रुपये का मिलेगा। अगस्त में इसकी कीमत 2,738 रुपये थी। इस प्रकार कीमत 9.50 रुपये बढ़ गयी है। इससे पहले, दिल्ली में जुलाई में इसकी कीमत में 183.5 रुपये और अगस्त में 192 रुपये की कटौती की गयी थी। कोलकाता में कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर आज से 11.50 रुपये और मुंबई में 9.50 रुपये महंगा हुआ है।

राम मंदिर को आज मिलेगा पहला सीईओ

अयोध्या, आरएनएन। अयोध्या में राम मंदिर ट्रस्ट के पहले सीईओ को लेकर इंतजार अब खत्म होने वाला है। सीईओ के चयन के लिए बनी तीन सदस्यीय सर्च कमेटी ने 1 सितंबर को अपनी रिपोर्ट ट्रस्ट को सौंप दी है। इसमें एनकाउंटर स्पेशलिस्ट राजेश पांडे समेत चार नाम चर्चा में हैं। अब 2 सितंबर को ट्रस्ट की बैठक होगी। माना जा रहा है कि बैठक के बाद पहले सीईओ के नाम का ऐलान हो सकता है। ट्रस्ट के दूसरे खाली पदों पर भी इसी बैठक में फैसला संभव है। सीईओ की तलाश 5,585 आवेदनों से शुरू हुई थी। जांच के बाद 16 उम्मीदवारों को अंतिम चरण के लिए चुना गया।

तमिलनाडु के मंदिरों में मोबाइल पर बैन

चेन्नई, (आरएनएन)। तमिलनाडु के 52 मंदिरों में मंगलवार से मोबाइल फोन ले जाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती मामलों के मंत्री रमेश ने कहा है कि बिना कैमरे वाले साधारण और बुनियादी मॉडल के मोबाइल फोन ले जाने की अनुमति होगी। उन्होंने कहा कि यह प्रतिबंध अदालत के निर्देशों के आधार पर और श्रद्धालुओं को दर्शन के लिये शांतिपूर्ण और आध्यात्मिक रूप से अनुकूल वातावरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लागू किया गया है। वहीं, पलानी, तिरुचेंदूर, मदुरै और रामेश्वरम के मंदिरों में मोबाइल फोन पहले से ही प्रतिबंधित हैं। मंत्री के अनुसार, यह प्रतिबंध मंदिरों के अंदर देवी-देवताओं की तस्वीरें लेने और वीडियो रिकॉर्ड करने की लगातार हो रही घटनाओं के बाद लगाया गया है।

सुभाष चंद्रा के लोन माफी वाले आदेश पर लगी रोक

एनसीएलटी की स्पेशल बेंच ने पुराने आदेश पर लगाया स्टे, प्रॉपर्टी भी नहीं बेच सकेंगे

● नई दिल्ली / आरएनएन

नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) ने मंगलवार को एस्सेल समूह के चेयरमैन सुभाष चंद्रा से जुड़े दिवालियापन मामले में अपने 25 अगस्त के आदेश पर रोक लगा दी है।

साथ ही आदेश दिया है कि गारंटर के तौर पर अपनी संपत्तियों को डायरेक्ट या इनडायरेक्ट तौर पर ट्रांसफर ना करें। मामले की सुनवाई कर रहे तीन सदस्यों की ओर से जारी आदेश में मतभेद सामने आने के बाद इस मामले को एनसीएलटी की पांच सदस्यीय स्पेशल बेंच के सामने रखा गया। जिसके बाद स्पेशल बेंच ने मंगलवार को मामले की सुनवाई शुरू की और आदेश दिया कि पहले के आदेशों में मतभेद थे और कोई स्पष्ट बहुमत नहीं था, जिसे लागू किया जा सकता। इस कारण स्पेशल बेंच ने एनसीएलटी के पुराने आदेश- 22006 करोड़ रुपये से ज्यादा लोन को 6.5 करोड़ रुपये में खत्म करने पर रोक लगा दी। इसके अलावा, सुभाष चंद्रा को अपने प्रॉपर्टी को बेचने से भी रोक दिया है। एनसीएलटी ने इस मामले से जुड़े सभी पक्षों को नोटिस भी जारी किया है। पुराने आदेश के तहत एनसीएलटी ने चंद्रा के 22006 करोड़ रुपये से ज्यादा के लोन को करीब 6.5 करोड़ रुपये में चुकाने का आदेश दिया था।

आदेश में क्या कहा

पांच सदस्यों वाली स्पेशल बेंच ने अपने आदेश में कहा कि पुराने आदेश में बहुमत नहीं था, जिस कारण इसे रोक दिया गया है। अब पांच सदस्यों की टीम इसपर नए सिरे से विचार करेगी। बेंच ने आगे यह भी कहा गया है कि कार्रवाई पर विचार किए जाने के दौरान गारंटर (सुभाष चंद्रा) को डायरेक्ट और इनडायरेक्ट प्रॉपर्टी बेचने से रोका है।

चिराग पासवान को जान से मारने की धमकी मिली

नई दिल्ली, आरएनएन। केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) के प्रमुख चिराग पासवान को एक बार फिर जान से मारने की धमकी मिली है। उन्हें डाक के जरिए भेजे गए पत्र में जल्द हत्या किए जाने की चेतावनी दी गई है। पत्र में लिखा है, आपको जल्द ही हार्डकोर आतंकियों द्वारा मार दिया जाएगा। धमकी सामने आने के बाद मामला सुरक्षा एजेंसियों के लिए गंभीर चिंता का विषय बन गया है। चिराग पासवान को भेजे गए धमकी भरे पत्र में सीधे उनकी हत्या की चेतावनी दी गई है। पत्र भेजने वाले ने दावा किया है कि उन्हें जल्द ही हार्डकोर आतंकियों के हाथों मार दिया जाएगा। हालांकि, अभी यह साफ नहीं हुआ है कि पत्र किस व्यक्ति या संगठन ने भेजा है। पत्र में दी गई धमकी की गंभीरता और उसकी वास्तविकता की जांच की जा रही है।

डाक से भेजे पत्र में कहा, जल्द ही आतंकियों द्वारा मारे जाओगे

शक्ति पहली महिला एयर वाइस मार्शल

अपने 30 साल के करियर में फील्ड स्टेशन सहित कई जिम्मेदारियां निभाई

● नई दिल्ली / आरएनएन

एयर वाइस मार्शल शक्ति शर्मा ने भारतीय रक्षाबलों में टू-स्टार रैंक पाने वाली पहली नॉन-मेडिकल महिला अधिकारी बन कर इतिहास रच दिया है। शक्ति शर्मा ने 1 सितंबर से असिस्टेंट चीफ ऑफ एयर स्टाफ (एजुकेशन) का पदभार संभाला है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, एक सितंबर 2026 को शक्ति शर्मा ने एयर हेडक्वार्टर में असिस्टेंट चीफ ऑफ एयर स्टाफ (एजुकेशन) का पदभार संभाला है। शक्ति शर्मा 18 जून 1994 को भारतीय वायु सेना की शिक्षा ब्रांच में शामिल हुई थीं।

अपने तीन दशक से ज्यादा लंबे करियर में उन्होंने फील्ड स्टेशन, कमांड हेडक्वार्टर, ट्रेनिंग सेंटर और एयर हेडक्वार्टर में बहुत सारी अहम जिम्मेदारियां निभाई हैं। शक्ति शर्मा ने अपने 32 साल के गौरवशाली करियर में कई संस्थागत गतिविधियों का नेतृत्व किया है। शक्ति शर्मा ने न सिर्फ शैक्षणिक बल्कि रणनीतिक रक्षा सहयोग को बढ़ावा देने के लिए बहुत योगदान दिया है। उन्होंने आईआईटी कानपुर और पुणे विश्वविद्यालय में भारतीय वायु सेना की चेयर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना की है।

OBC क्रीमी लेयर स्टेटस पर सुनवाई को सुप्रीम कोर्ट तैयार

केंद्र बोला, सिर्फ माता-पिता की सैलरी-आय से तय नहीं हो दर्जा

नई दिल्ली, आरएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को केंद्र की उस याचिका पर विचार करने की सहमति दी, जिसमें ओबीसी क्रीमी लेयर नियमों पर 11 मार्च के फैसले को सिविल सर्विस परीक्षा (सीएसई) 2025 के उम्मीदवारों पर लागू करने को लेकर सफाई मांगी गई है। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने केंद्र की याचिका पर नोटिस जारी किया।

बेंच ने सभी पक्षों से 17 सितंबर तक जवाब दाखिल करने को कहा है। केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि 11 मार्च के फैसले को इसी साल लागू करने में गंभीर व्यावहारिक दिक्कतें हैं। उम्मीदवार अपनी पोस्टिंग का इंतजार कर रहे हैं और इस फैसले से उन पर असर पड़ेगा। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से सीएसई-2025 के 958 चयनित उम्मीदवारों की सर्विस अलोकेशन प्रक्रिया पुराने ओबीसी क्रीमी लेयर मानदंड के आधार पर करने की अनुमति मांगी है।

क्या है ओबीसी क्रीमी लेयर स्टेटस

क्रीमी लेयर के तहत ओबीसी के उन अपेक्षाकृत संपन्न वर्गों की पहचान की जाती है जिन्हें आरक्षण का लाभ नहीं मिलता है। अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के तहत मिलने वाले आरक्षण को दो कैटेगरी में बांटा गया है- नॉन-क्रीमी लेयर और क्रीमी लेयर। इन दोनों कैटेगरी में मुख्य अंतर यह है कि ओबीसी नॉन-क्रीमी लेयर नौकरी और शिक्षा में सरकारी आरक्षण के फायदों के लिए योग्य होती है, जबकि ओबीसी क्रीमी लेयर नहीं।

नई तकनीक — एम्स दिल्ली में डॉक्टर आंख के एक कॉर्निया से कई मरीजों का कर रहे हैं इलाज

एक डोनर की आंखों से 6 लोगों की जिंदगी में रोशनी

● नई दिल्ली

आमतौर पर एक आदमी जब अपनी आंखें डोनेट करता है तो उससे दो लोगों के जीवन में रोशनी आती है, लेकिन अब एक डोनर की आंखें दान करने से 4 से 6 लोगों की जिंदगी का अंधेरा दूर हो रहा है।

एम्स नई दिल्ली के डॉ. राजेंद्र प्रसाद सेंटर फॉर ऑप्थेलमिक साइंसेज में कॉर्निया सर्जरी के लिए एक नई तकनीक के इस्तेमाल से ऐसा किया जा रहा है। इसमें डॉक्टर आंख के एक कॉर्निया के अलग-अलग हिस्सों का यूज करके कई मरीजों का इलाज कर रहे हैं। ऐसे समय में जब देश में कॉर्निया की जरूरत बहुत ज्यादा है, यह बदलाव काफी अहम माना जा रहा है। एम्स दिल्ली के आर.पी सेंटर की चीफ डॉ. राधिका टंडन ने इस बारे में कहती हैं कि कॉर्निया आंख की सबसे बाहर पारदर्शी परत होती है। इससे होकर ही रोशनी अंदर जाती है। अगर किसी इंफेक्शन, आंखों की बीमारी या हादसे के कारण इस परत को नुकसान पहुंचे तो व्यक्ति कि आंख की रोशनी जा सकती है। ऐसे में रोशनी वापिस लाने के लिए कॉर्निया ट्रांसप्लांट किया जाता है। इसमें एक व्यक्ति की आंख से स्वस्थ कार्निया को निकालकर दूसरे व्यक्ति में लगाया जाता है। आमतौर पर एक डोनर की दोनों आंखों से दो अलग- अलग व्यक्तियों की रोशनी लौटती है, लेकिन नई तकनीक में एक डोनर की मदद से 2 से 6 लोगों की आंखों में रोशानी वापिस लाई जा सकती है। इस तकनीक को लैमलर कॉर्नियल ट्रांसप्लांट कहते हैं।

लैमलर कॉर्नियल ट्रांसप्लांट क्या होता है

डॉ. राधिका ने बताया कि हर मरीज में पूरी कॉर्निया बदलने की जरूरत नहीं होती। कुछ मरीजों में कॉर्निया की सिर्फ एक खास परत खराब होती है। ऐसी स्थिति में डॉक्टर लैमलर कॉर्नियल ट्रांसप्लांट जैसी तकनीकों का इस्तेमाल कर सकते हैं। एम्स के आरपी सेंटर में इसी तरह की आधुनिक तकनीक के जरिए एक डोनर कॉर्निया के अलग-अलग हिस्सों का इस्तेमाल कई मरीजों का इलाज किया जा रहा है। इसको ऐसे समझें कि अगर एक मरीज को कॉर्निया की एक परत की जरूरत है और दूसरे मरीज को दूसरी परत की, तो हर मरीज के लिए एक डोनर का पूरा एक कॉर्निया इस्तेमाल करने के बजाय उसके जरूरत वाले हिस्से को ही निकालकर यूज किया जा सकता है। बाकी बचे हिस्से को दूसरे जरूरतमंद मरीज में ट्रांसप्लांट किया जा सकता है। इससे फायदा ये होता है कि एक ही डोनर के कॉर्निया के हिस्सों को अलग करके दो या तीन अलग-अलग मरीजों की आंखों में ट्रांसप्लांट किया जा सकता है। इसको सिंगल डोनर, मल्टीपल रिसिपिएंट्स कहते हैं।

भारत में क्यों है इसकी जरूरत

देश में कॉर्नियल ब्लाइंडनेस यानी कॉर्निया खराब होने की वजह से होने वाले अंधापन एक बड़ी समस्या है। ऐसे मरीजों के लिए कॉर्नियल ट्रांसप्लांट कई बार नजर वापस पाने का अच्छा रास्ता है। लेकिन इसके लिए सबसे जरूरी चीज है डोनर है। इसके लिए एम्स का नेशनल आई बैंक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। नेशनल आई बैंक ने पिछले 61 वर्षों में 38 हजार से ज्यादा कॉर्निया जुटाए हैं और 28 हजार से ज्यादा लोगों में कॉर्निया ट्रांसप्लांट के जरिए नजर वापिस लाई है। अब इसी कड़ी में मरीजों को लैमलर कॉर्नियल ट्रांसप्लांट की सुविधा भी दी जा रही है।

आसमान में इंडिगो के इंजन में आई खराबी

गोवा से दिल्ली जा रही फ्लाइट को लौटना पड़ा वापस, विमान में 229 यात्री थे सवार

● पणजी / राज न्यूज नेटवर्क

दिल्ली जा रहा इंडिगो का एक विमान मंगलवार सुबह एक इंजन में खराबी आने के बाद गोवा लौट आया और मनोहर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपात स्थिति में उतरा। विमान में 229 यात्री सवार थे।

हवाई अड्डे के एक अधिकारी ने को बताया कि उत्तर गोवा के मोपा स्थित हवाई अड्डे से पूर्वाह्न नौ बजकर 20 मिनट पर उड़ान भरने वाले विमान को तुरंत वापस लौटना पड़ा। अधिकारी ने कहा कि विमान के एक इंजन में खराबी आने के बाद उसे वापस लौटना पड़ा। उन्होंने बताया कि दिल्ली जा रहे इस विमान में 229 यात्री सवार थे।

भीलवाड़ा में कांग्रेस का 'सिंबल संकट' अब पहुंचा दिल्ली दरबार!

PCC सदस्य मनोज पालीवाल का अपनी ही पार्टी के प्रदेश नेतृत्व पर सीधा हमला 17 प्रत्याशियों के सिंबल नहीं पहुंचने के लिए डोटासरा को ठहराया जिम्मेदार

खड़गे को पत्र भेजकर राष्ट्रीय जांच कमेटी बैठाने और प्रदेश अध्यक्ष पर कार्रवाई की मांग, बोले लापरवाही से कांग्रेस को भारी नुकसान

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा (महेन्द्र नागौरी) नगर निगम चुनाव में कांग्रेस के 17 प्रत्याशियों के सिंबल समय पर जमा नहीं होने का विवाद अब प्रदेश कांग्रेस से निकलकर दिल्ली दरबार तक पहुंच गया है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी सदस्य मनोज पालीवाल ने अपनी ही पार्टी के प्रदेश नेतृत्व पर गंभीर आरोप लगाते हुए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को पत्र भेजा है। पालीवाल ने पूरे घटनाक्रम के लिए सीधे तौर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा को जिम्मेदार ठहराते हुए इसे कार्यकर्ताओं और कांग्रेस प्रत्याशियों के साथ गंभीर अन्याय बताया है।

'53 सिंबल पहुंचे, 17 क्यों रोके? '

खड़गे को भेजे पत्र में पालीवाल का आरोप है कि भीलवाड़ा नगर निगम के 70 वार्डों के प्रत्याशियों के चयन की प्रक्रिया प्रदेश स्तर पर पूरी की गई थी। ऑनलाइन फॉर्म भरवाने, पैनल तैयार करने और विभिन्न नेताओं से चर्चा के बाद प्रत्याशियों के नाम तय किए गए। पालीवाल के अनुसार 31 अगस्त को दोपहर 3 बजे तक निर्वाचन अधिकारी के

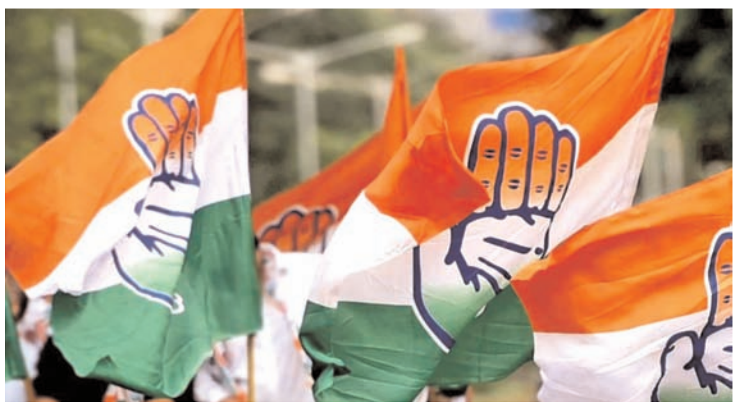

समक्ष कांग्रेस के अधिकृत सिंबल पहुंचाए जाने थे, लेकिन कथित तौर पर केवल 53 प्रत्याशियों के सिंबल ही जमा कराए गए और 17 प्रत्याशियों के सिंबल समय पर नहीं पहुंचे। **उनका आरोप है कि इसके चलते 17 कांग्रेस प्रत्याशी चुनावी प्रक्रिया से बाहर हो गए।**

डोटासरा पर लापरवाही और भेदभाव का आरोप

पालीवाल ने पत्र में प्रदेश अध्यक्ष पर कार्य में लापरवाही और कार्यकर्ताओं के साथ भेदभाव का आरोप लगाया है। उन्होंने यहां तक कहा कि सिंबल समय पर नहीं पहुंचना कांग्रेस के लिए नुकसानदेह रहा और इसका सीधा फायदा भाजपा को मिला।

हालांकि ये पालीवाल द्वारा लगाए गए आरोप हैं, जिन पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा की ओर से इस पत्र के संदर्भ में कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

खड़गे से मांगी जांच, कार्रवाई की मांग:-

पालीवाल ने राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से पूरे मामले की जांच के लिए राष्ट्रीय स्तर की जांच कमेटी गठित करने की मांग की है। साथ ही प्रदेश अध्यक्ष की कथित लापरवाही की जांच कर जिम्मेदारी तय करने और कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी भरे अंदाज में कहा कि राजस्थान में आगे भी स्थानीय निकाय और पंचायत राज के चुनाव होने हैं। ऐसे में यदि प्रदेश नेतृत्व की कार्यप्रणाली में सुधार नहीं हुआ तो भविष्य में भी पार्टी को नुकसान उठाना पड़ सकता है।

कांग्रेस के भीतर उठे सवालों का तूफान

नगर निगम चुनाव की दहलीज पर कांग्रेस के भीतर से ही प्रदेश नेतृत्व पर उठी उंगली ने पार्टी की अंदरूनी सियासत को गरमा दिया है। 17 प्रत्याशियों के सिंबल का मामला अब महज चुनावी चूक नहीं, बल्कि संगठनात्मक जवाबदेही का मुद्दा बन गया है। अब बड़ा सवाल यही है–क्या यह महज प्रशासनिक चूक थी, संगठनात्मक लापरवाही या फिर टिकट-सिंबल वितरण के पीछे कोई बड़ा सियासी खेल? और सबसे बड़ा सवाल–17 प्रत्याशी मैदान से बाहर हुए तो इसकी जिम्मेदारी आखिर कौन लेगा?

सिरसा-कोटा एक्सप्रेस में पकड़ा गया फर्जी टीटीई

टिकट जांच के नाम पर जुर्माना मांगने पर हुआ संदेह, सूचना मिलते ही टिकट जांच स्टाफ ने की त्वरित कार्रवाई

स्मार्ट हलचल

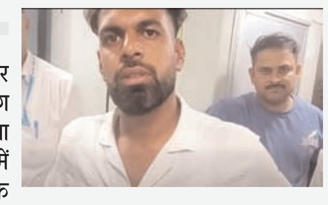

कोटा। यात्रियों की सतर्कता और कोटा मंडल के वाणिज्य विभाग की त्वरित कार्रवाई से गाड़ी संख्या 19814 सिरसा-कोटा एक्सप्रेस में फर्जी टीटीई बनकर यात्रियों के टिकट जांचने और जुर्माना मांगने वाले एक व्यक्ति को पकड़ा गया। 31 अगस्त की रात्रि करीब 1:40 बजे जयपुर-सवाई माधोपुर रेलखंड पर ट्रेन के शयनयान कोच एस-2 में दो व्यक्ति यात्रियों के टिकट जांचकर जुर्माना मांग रहे थे। उनकी गतिविधि पर संदेह होने पर यात्रियों ने इसकी सूचना वाणिज्य नियंत्रण कक्ष को दी। सूचना मिलते ही ट्रेन में कार्यरत टीटीई श्री भवानी सिंह मीना को तत्काल अवगत कराया गया। श्री भवानी सिंह मीना ने टीटीई श्री मुकेश मीना एवं श्री मेघराज मीना के साथ एस-2 कोच में पहुंचकर एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ लिया, जबकि उसका दूसरा साथी अगले स्टेशन पर उतरकर फरार हो गया। पकड़े गए व्यक्ति को सवाई माधोपुर में आरपीएफ के सुपुर्द किया गया, जहां नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ जैन ने बताया कि यात्रियों की जागरूकता, वाणिज्य नियंत्रण कक्ष की तत्परता और टिकट जांच स्टाफ की त्वरित कार्रवाई से फर्जी टीटीई को पकड़ा जा सका। रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि टिकट जांच करने वाले किसी व्यक्ति की पहचान अथवा गतिविधि संदिग्ध लगे तो उससे विवाद न करें। इसकी सूचना तत्काल ट्रेन में मौजूद अधिकृत रेलवे कर्मचारी, आरपीएफ अथवा रेल मदद 139 पर दें। यात्रियों की सतर्कता ऐसी गतिविधियों पर अंकुश लगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

ऑपरेशन यात्री सुरक्षा' में कोटा मंडल की बड़ी कार्रवाई अंतरराज्यीय शातिर चोर गिरफ्तार

दिल्ली-उत्तर प्रदेश में 10 आपराधिक प्रकरण दर्ज, 1.32 लाख रुपये का चोरी हुआ आईफोन बरामद

स्मार्ट हलचल

कोटा। रेल यात्रियों की सुरक्षा के लिए चलाए जा रहे 'ऑपरेशन यात्री सुरक्षा' के तहत आरपीएफ एवं जीआरपी कोटा की संयुक्त टीम ने अंतरराज्यीय शातिर चोर मोहम्मद शब्बीर उर्फ कांचा (27), निवासी दिल्ली को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से लगभग 1.32 लाख रुपये मूल्य का चोरी हुआ आईफोन-17 प्रो बरामद किया है। गाड़ी संख्या 22972 में यात्री का आईफोन चोरी होने के मामले में जीआरपी इंदौर से जीरो एफआईआर प्राप्त होने के बाद जीआरपी कोटा ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 305(सी) के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। कोटा रेलवे स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज के विश्लेषण से संदिग्ध की पहचान हुई, जिसके आधार पर आरपीएफ-जीआरपी की संयुक्त टीम ने उसे कोटा स्टेशन प्लेटफॉर्म संख्या-2 से पकड़ लिया। पूछताछ के बाद उसके कब्जे से चोरी हुआ मोबाइल बरामद किया गया। आईसीजेएस में उपलब्ध रिकॉर्ड के अनुसार आरोपी के विरुद्ध दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश में चोरी, लूट एवं शस्त्र अधिनियम सहित विभिन्न धाराओं में 10 आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। इनमें पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन जीआरपी, नरेला, नरेला औद्योगिक क्षेत्र और मथुरा जीआरपी के मामले शामिल हैं। आरोपी से जुड़े अन्य मामलों एवं सहयोगियों के संबंध में जांच जारी है। कार्रवाई में आरपीएफ पोस्ट कोटा, आरपीएफ मंडलीय टीम एवं जीआरपी कोटा के अधिकारियों व जवानों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। रेलवे द्वारा यात्रियों एवं उनके सामान की सुरक्षा के लिए सीसीटीवी निगरानी तथा आरपीएफ-जीआरपी के समन्वय से लगातार कार्रवाई की जा रही है।

राजस्थान में आज से फिर एक्टिव होगा मानसून

4 दिन नहीं हुई बरसात, पारा 40 डिग्री के करीब

स्मार्ट हलचल

जयपुर राजस्थान में मानसून ब्रेक आज से खत्म हो सकता है। बुधवार और गुरुवार को पूर्वी हिस्सों में हल्की बारिश या बूंदाबांदी हो सकती है। वहीं, 4 सितंबर से बारिश की गतिविधियों में बढ़ोतरी होने की संभावना है। वहीं, बीते 4 दिन से प्रदेश के किसी जिले में बरसात नहीं हुई है। सितंबर का पहला दिन भी सूखा रहा। बारिश नहीं होने से पारा फिर 40 डिग्री के करीब पहुंच गया है। बीते 24 घंटे में सबसे अधिक तापमान श्रीगंगानगर में 39.4 डिग्री रिकॉर्ड हुआ। वहीं, जयपुर, अजमेर, बीकानेर, जोधपुर संभाग के कई शहरों का तापमान 34 से 39 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज हुआ।

वार्ड 43 में मूलभूत सुविधाओं की अनदेखी से आक्रोश, चुनाव बहिष्कार का ऐलान

चार साल से सड़क, नाली, बिजली-पानी की समस्याएं जस की तस, क्षेत्रवासियों ने जिला कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार खींची ब्यावर। नगर परिषद चुनाव के बीच वार्ड संख्या 43 के विभिन्न कॉलोनियों के निवासियों ने मूलभूत सुविधाओं की समस्याओं का समाधान नहीं होने पर चुनाव बहिष्कार का ऐलान किया है। क्षेत्रवासियों ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर अपनी समस्याओं से अवगत कराया और तत्काल समाधान की मांग की। क्षेत्रवासियों ने बताया कि पिछले चार वर्षों से पंचोली नगर, नानेश नगर, उम्मेद नगर, श्रीनाथ कॉलोनी, 80 फीट रोड बी सहित सिद्धि विनायक कॉलोनी में सड़क, नाली, बिजली और पानी जैसी

समस्याएं बनी हुई हैं। इन समस्याओं को लेकर जिला प्रशासन, विधायक, नगर परिषद आयुक्त तथा निवर्तमान पार्षद को कई बार लिखित ज्ञापन देने के साथ व्यक्तिगत रूप से भी अवगत कराया गया, लेकिन समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं हुआ। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि हर बार उन्हें आश्वासन मिला, लेकिन धरातल पर स्थिति जस की तस बनी हुई है। इससे लोगों में भारी रोष है। इसी के चलते क्षेत्रवासियों ने सामूहिक बैठक कर आगामी नगर परिषद चुनाव में मतदान का बहिष्कार करने का निर्णय लिया है। क्षेत्रवासियों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि चुनाव से पहले वार्ड की समस्याओं का गंभीरता से संज्ञान लेकर सड़क, नाली, बिजली और पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं का समाधान कराया जाए।

नाथड़ियास में बजरी से भरे ट्रैक्टर ने अध्यापक को कुचला, मौके पर दर्दनाक मौत

ग्रामीणों ने सड़क जाम कर किया प्रदर्शन, कोठरी नदी की बजरी लीज निरस्त करने की मांग

बेखौफ बजरी परिवहन पर फूटा ग्रामीणों का गुस्सा; दोषी चालक पर सख्त कार्रवाई, मुआवजे और बजरी लीज निरस्त करने की मांग पर अड़े ग्रामीण

स्मार्ट हलचल

रायपुर/भीलवाड़ा रायपुर थाना क्षेत्र के नाथड़ियास गांव में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में अध्यापक प्रभु सिंह राजपूत की बजरी से भरे ट्रैक्टर की चपेट में आने से मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर छा गई और आक्रोशित ग्रामीणों ने मुख्य मार्ग पर जाम लगाकर जोरदार प्रदर्शन शुरू कर दिया।

बेखौफ बजरी परिवहन से गहराया आक्रोश

हादसे की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर एकत्रित हो गए। प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में बजरी से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉलियों का बेखौफ और अनियंत्रित गति से संचालन आमजन की जान का दुश्मन बन चुका है, जिससे आए दिन

गंभीर दुर्घटनाएं हो रही हैं। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन पर भी बजरी परिवहनकर्ताओं के साथ मिलीभगत के गंभीर आरोप लगाते हुए गहरा रोष व्यक्त किया।

ग्रामीणों की प्रमुख मांगें:

दोषी ट्रैक्टर चालक के खिलाफ गैर-इरादतन हत्या व अन्य संगीन धाराओं में सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।

कोठारी नदी में संचालित बजरी लीज को तत्काल प्रभाव से निरस्त किया जाए।

मृतक अध्यापक के पीड़ित परिवार को उचित आर्थिक मुआवजा एवं संबल प्रदान किया जाए।

क्षेत्र की सड़कों पर बजरी के अवैध व अनियंत्रित परिवहन पर स्थाई रोक लगाई जाए।

प्रशासनिक समझाइश जारी, मार्ग पर लगा लंबा जाम

ग्रामीणों द्वारा सड़क पर चक्काजाम किए जाने से मार्ग के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। सूचना मिलते ही पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी पुलिस जाप्ते के साथ मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से समझाइश कर जाम खुलवाने का प्रयास किया। हालांकि, समाचार लिखे जाने तक ग्रामीण अपनी मांगों पर अड़े रहे और क्षेत्र में तनावपूर्ण माहौल के बीच प्रशासनिक वार्ता जारी रही।

होलीरड़ा में बड़ी चोरी: चोरों ने पिता-पुत्र के घरों को बनाया निशाना, नकदी समेत लाखों के सोने-चांदी के जेवर पार

स्मार्ट हलचल

आकोला । स्थानीय थाना क्षेत्र बडलियास के होलीरड़ा गांव में मध्य रात्रि चोरों ने एक बड़ी वारदात को अंजाम देते हुए पिता और पुत्र के घरों को अपना निशाना बनाया। चोर दोनों घरों से करीब सवा लाख रुपये की नकदी और लाखों रुपये कीमत के सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर ले गए। घटना के बाद से पीड़ित परिवार की महिलाएं सदमे में हैं और उनका रो-रोकर बुरा हाल है। सूचना मिलने पर बड़लियास थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटना स्थल का जायजा लिया और मामले की जांच शुरू की।रोशनदान की जाली तोड़कर घुसे चोरप्राप्त जानकारी के अनुसार, चोरों ने वारदात के लिए घर के पिछले हिस्से को चुना। वे मकान के पीछे बने रोशनदान की जाली को काटकर अंदर दाखिल हुए। चोरी की इस वारदात के समय पूरा परिवार बेफिक्र होकर बाहर बरामदे में सो रहा था। चोरों ने कमरों के अंदर घुसने के बाद बाहर से कुंडी लगा दी ताकि कोई अचानक जागने पर उन्हें पकड़ न सके। इसके बाद चोरों ने इत्मीनान से पूरे घर को खंगाला और कीमती सामान समेट कर रफूचक्कर हो गए।पीड़ितों ने बयां किया दर्द: भैंस-बकरियां बेचकर जोड़े थे पैसेपीड़ित रामपाल (पिता रामचंद्र बलाई) ने बताया कि चोरों ने उनके घर से मृत्यु भोज (कमौत) के लिए रखे करीब डेढ़ तोले सोने की रामनवमी व मादलिया और आधा किलो चांदी की पायजेब पर हाथ साफ कर दिया।वहीं, रामपाल के पिता रामचंद्र (पिता भूरा बलाई) के कमरे से भी चोरों ने मृत्यु भोज के लिए ही रखी एक तोले सोने की नथ और ?1,00,000 की

नकदी चुरा ली। पीड़ित बुजुर्ग ने रोते हुए बताया कि यह ?1 लाख रुपये उन्होंने अपनी भैंस और बकरियां बेचकर बड़ी मेहनत से जमा किए थे, जिसे चोर ले उड़े।सुबह कमरा खोलने पर बिखरा मिला सामानसोमवार सुबह जब परिवार के सदस्य जागे और उन्होंने कमरे का दरवाजा खोला, तो अंदर का नजारा देखकर उनके होश उड़ गए। कमरों के ताले टूटे हुए थे और सारा सामान फर्श पर बिखरा पड़ा था। अलमारी और बक्सों में रखी नकदी तथा जेवरात गायब थे। इसके बाद तुरंत ग्रामीणों और स्थानीय पुलिस को सूचना दी गई।ग्रामीणों में आक्रोश, रात्रि गश्त शुरू करने की मांगइस वारदात के बाद से होलीरड़ा गांव के ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में पुलिस की रात्रि गश्त न होने के कारण चोरों के हौसले बुलंद हैं और वे आसानी से वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि गांव में तुरंत प्रभाव से नियमित रात्रि गश्त शुरू की जाए और चोरों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर माल बरामद किया जाए।

कचरा जलाने पर निगम का शिकंजा, होटल रेडियंस और मारुति सुजुकी चैंपियन कार को नोटिस

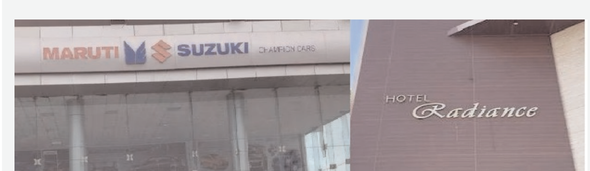

चित्तौड़ रोड ओवरब्रिज के पास गंदगी और प्रदूषण फैलाने का मामला, नियम उल्लंघन पर होगी कड़ी कार्रवाई

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा । चित्तौड़ रोड मुख्य मार्ग स्थित ओवरब्रिज के समीप कचरा डालकर उसमें आग लगाने के मामले में नगर निगम ने सख्त कार्रवाई की है। गंभीर लापरवाही को देखते हुए निगम प्रशासन ने होटल रेडियंस और मारुति सुजुकी चौंपियन कार को आधिकारिक नोटिस जारी किया है। नगर निगम आयुक्त कमल सिंह यादव ने बताया कि उक्त दोनों संस्थानों द्वारा चित्तौड़ रोड स्थित ओवरब्रिज के समीप कचरा फेंका जा रहा था और उसमें आग लगाई जा रही थी। इस प्रकार की गतिविधियों से मुख्य मार्ग और आसपास का क्षेत्र प्रदूषित हो रहा था, वहीं सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचने की भी आशंका बनी हुई थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए नगर निगम ने राजस्थान नगर पालिका अधिनियम, 2009 की धारा 232, 267 एवं 297 ए तथा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 के प्रावधानों के तहत नोटिस जारी किया है। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि नियमों का उल्लंघन करने वाले संस्थानों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी तथा भारी जुर्माना भी लगाया जा सकता है।

राजस्थान पुलिस की बड़ी पहल: सितंबर 2026 को 'साइबर सुरक्षित राजस्थान' जन-जागरूकता माह के रूप में मनाने का निर्णय ...

डीजीपी के निर्देशानुसार महीने भर चलेगा राज्यव्यापी विशेष अभियान; ऑनलाइन ठगी और साइबर अपराधों से बचाव का मिलेगा संदेश

राज्य स्तर पर एसपी-1 (RyC) और जिला स्तर पर एडिशनल एसपी बनाए गए नोडल अधिकारी

स्मार्ट हलचल

जयपुर, राजस्थान पुलिस द्वारा सितंबर माह को 'साइबर सुरक्षित राजस्थान' जन-जागरूकता माह के रूप में मनाया जाएगा। महानिदेशक पुलिस श्री राजीव कुमार शर्मा के निर्देशानुसार पूरे प्रदेश में चलने वाले इस विशेष अभियान का उद्देश्य आमजन को साइबर अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक करना, सुरक्षा उपायों का व्यापक प्रचार-प्रसार करना तथा ऑनलाइन ठगी एवं धोखाधड़ी से सुरक्षित रहने के लिए सचेत करना है। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस साइबर क्राइम श्री विजय कुमार सिंह के अनुसार अभियान के सफल संचालन के लिए राज्य स्तर पर पुलिस अधीक्षक-1 (RyC) को राज्य नोडल अधिकारी बनाया गया है। वहीं प्रत्येक जिले में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक स्तर के अधिकारी को जिला नोडल अधिकारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

वरिष्ठ नागरिकों और पेंशनर्स पर विशेष ध्यान

अभियान के तहत पुलिस थानों के साइबर अपराध से जुड़े अधिकारी पेंशन विभाग के समन्वय से पेंशनर्स एवं वरिष्ठ नागरिकों को विशेष रूप से 'डिजिटल अरेस्ट', निवेश के नाम पर होने वाली ठगी तथा अन्य साइबर अपराधों से बचाव के बारे में जागरूक करेंगे।

स्कूल-कॉलेजों में होंगे जागरूकता कार्यक्रम

जिला कलेक्टर एवं जिला शिक्षा अधिकारियों के समन्वय से स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में व्याख्यान, कार्यशालाएं, प्रश्नोत्तरी, सेमिनार एवं विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। छात्र-छात्राओं द्वारा एक दिवसीय मानव श्रृंखला बनाकर साइबर सुरक्षा का संदेश भी दिया जाएगा।

बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर नुक्कड़ नाटक

प्रमुख सार्वजनिक स्थलों, बाजारों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, मेट्रो स्टेशन तथा धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों पर नुक्कड़ नाटक, पोस्टर, ऑडियो-वीडियो संदेश और साइबर जागरूकता स्टॉल के माध्यम से आमजन को साइबर अपराधों से बचाव की जानकारी दी जाएगी।

युवाओं और खेल गतिविधियों को भी जोड़ा जाएगा

अभियान में साइबर स्वयंसेवकों, एनएसएस एवं एनसीसी कैडेट्स को भी जोड़ा जाएगा। आरएसी इकाइयों और जिला खेल अधिकारियों के समन्वय से साइबर जागरूकता के लिए दौड़ एवं साइकिल रैली जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

गांव-गांव पहुंचेगा साइबर सुरक्षा का संदेश

राज्य पुलिस अभियान को ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाने के लिए जिला मुख्य डाकपाल एवं पंचायती राज विभाग के समन्वय से ग्राम पंचायत स्तर तक साइबर जागरूकता गतिविधियां आयोजित करेगी।

सोशल मीडिया और मीडिया के माध्यम से व्यापक प्रचार

अभियान के दौरान स्थानीय सोशल मीडिया प्रभावशाली व्यक्तियों, खेल एवं सिनेमा जगत की हस्तियों के माध्यम से वीडियो अपील जारी करवाई जाएंगी। इसके अलावा स्थानीय एफएम, टेलीविजन चैनल, सिनेमा हॉल, निजी केबल टीवी तथा बाजारों में लगे डिजिटल डिस्प्ले के माध्यम से हिंदी एवं क्षेत्रीय भाषाओं में साइबर सुरक्षा संबंधी संदेश प्रसारित किए जाएंगे।

राजस्थान उच्च न्यायालय के आदेशों के विरोध में अधिवक्ताओं का न्यायिक कार्य बहिष्कार आंदोलन

स्मार्ट हलचल

सादुलपुर / राजगढ़ अभिभाषक संघ के आह्वान पर मंगलवार को स्थानीय सभी न्यायालयों का न्यायिक कार्य ठप्प रहा। इस बारे में जानकारी देते हुए अभिभाषक संघ राजगढ़ अध्यक्ष एडवोकेट अजीत पचार ने बताया कि हाई कोर्ट ने अधीनस्थ न्यायालयों में लक्षित प्रकरण निस्तारण योजना लागू की है उसके विरोध में सम्पूर्ण राजस्थान में वकीलों ने अनिश्चितकालीन हड़ताल आरंभ कर दी है। उसी के अंतर्गत राजगढ़ में भी अधिवक्ताओं ने न्यायिक कार्य बहिष्कार आंदोलन

शुरू कर दिया है। उन्होंने बताया कि हाईकोर्ट की यह योजना न्याय की पूर्ण गुणवत्ता को भूलकर संख्यात्मक निस्तारण की प्रतिस्पर्धात्मक कार्यशैली जैसे आदेश हैं। इस योजना से लक्षित प्रकरणों के नाम पर पूर्ण परीविक्षा, विस्तृत बहस आदि मुख्य मुद्दों की प्रक्रिया को संक्षिप्त कर दिया गया है। यह आदेश अधिवक्ताओं के साथ-साथ अधीनस्थ न्यायालयों के लिए भी परेशानी का सबब और धर्म संकट जैसे हालात पैदा कर देने वाले हैं। ऐसी स्थितियों को देखते हुए राजस्थान के अधिवक्ताओं ने इस आदेश को निरस्त कर किए जाने की मांग की है। उन्होंने यह भी बताया कि यह आदेश सिर्फ अधीनस्थ न्यायालय के लिए लागू किए गए हैं।

भीलवाड़ा पुलिस का बड़ा एक्शन : शांति भंग और विभिन्न आपराधिक मामलों में 37 आरोपी गिरफ्तार

एसपी सागर राणा के निर्देशन में जिलेभर में चला धरपकड़ अभियान; कोटड़ी, मांडलगढ़, काछोला, आसींद, जहाजपुर व सुभाषनगर सहित विभिन्न थानों में हुई ताबड़तोड़ कार्रवाई

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा /जिला पुलिस अधीक्षक सागर राणा के निर्देशन में भीलवाड़ा जिले में अपराध नियंत्रण, कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा वांछित अपराधियों की धरपकड़ हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस ने व्यापक कार्रवाई की है। जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में पुलिस टीमों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए संगीन प्रकरणों में वांछित आरोपियों के साथ-साथ शांति व्यवस्था भंग करने पर कुल 37 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है।

विभिन्न आपराधिक मुकदमों में वांछित 18 आरोपी गिरफ्तार

जिले के विभिन्न थानों में दर्ज आपराधिक मामलों में वांछित चल रहे आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पुलिस ने इन्हें गिरफ्तार किया:

मांडलगढ़: शिवलाल जाट (रायसिंहपुरा) एवं भेरूलाल गुर्जर (मोही प्रतापपुरा, बीगोद)।

काछोला: रणजीत सिंह बंजारा (सावंजी का खेड़ा, मांडलगढ़)।

कोटड़ी: रणजीत कीर (कांटी, पारोली) एवं देवीलाल मीणा (खामका का खेड़ा, मांडलगढ़)।

आसींद: नारायणलाल गुर्जर, दुदाराम गुर्जर (चोटियास), रामेश्वर लाल भील (हताण, शंभुगढ़), दिनेश भील (गंगाराम जी का खेड़ा, शंभुगढ़), प्रभुलाल गुर्जर (करणगढ़) एवं जालंधर सिंह रावत (बागमाली रावतों का बाड़िया)।

कारोई: किशनलाल गाडरी (पुरोहित खेड़ा, बागोर), दुर्गालाल बागरिया (जीनगर बस्ती, बागोर) एवं दशरथ लबाना (ढलमु मानपुरा, प्रतापगढ़)।

रायला: सुरेन्द्र कुमावत, ठाकुर प्रसाद वैष्णव (रामपुरिया ईरास) एवं बाबूलाल मेवाड़ा (बापूनगर, रायला)।

गुलाबपुरा व गांधीनगर: गुलाबपुरा से देवीलाल गुर्जर (देवीपुरा रूपाहेली) तथा गांधीनगर से घनश्याम कुमावत (न्यू पटेल नगर)।

शांति भंग (धारा 126/170 BNSS) में 19 लोग गिरफ्तार

क्षेत्र में शांति व्यवस्था बिगाड़ने और हुड़दंग करने के आरोप में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) की धारा 126/170 के तहत 19 लोगों को पाबंद कर गिरफ्तार किया गया। इनमें सुभाषनगर से चेतन उर्फ कान सिंह रावत व करण हरिजन; जहाजपुर से समर सुन्दरावत, आशीष सुन्दरावत व सूरज दयामी; मंगरोप से लालचंद जाट, करण जाट व सुरेश बलाई; कोटड़ी से राजू बागरिया व अनिल कुमार वैष्णव; बीगोद से खेमानाथ; करेड़ा से मुकेश धोबी व छीतर भील; शाहपुरा से लालाराम कहार; बनेड़ा से भेरू लाल खटीक; मांडल से रतनलाल प्रजापत व कैलाशचन्द्र प्रजापत तथा गांधीनगर से घनश्याम कुमावत व हरीश शामिल हैं।

बीगोद में भाजपा प्रत्याशी का नामांकन खारिज होने पर गरमाया माहौल, निर्वाचन कार्यालय के बाहर जुटे समर्थक

वार्ड 19 से अनिल पारीक का पर्चा निरस्त, नियुक्ति से जुड़े मामले को बताया जा रहा कारण; पुलिस ने मौके पर पहुंचकर संभाली स्थिति

स्मार्ट हलचल

बीगोद । नगर पालिका चुनाव की नामांकन जांच प्रक्रिया के दौरान बीगोद में उस समय राजनीतिक माहौल गरमा गया, जब वार्ड नंबर 19 से भाजपा प्रत्याशी एवं भाजपा नेता एडवोकेट अनिल पारीक का नामांकन पत्र निरस्त कर दिया गया। नामांकन खारिज होने की जानकारी सामने आने के बाद उनके समर्थक और भाजपा कार्यकर्ता निर्वाचन कार्यालय के बाहर एकत्र हो गए और कार्रवाई पर नाराजगी जताई। जानकारी के अनुसार नामांकन पत्रों की संवीक्षा के दौरान रिटर्निंग अधिकारी अरुण कुमार जैन ने वार्ड 19 से भाजपा प्रत्याशी अनिल पारीक का नामांकन निरस्त किया। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक नामांकन निरस्तीकरण को बीगोद नगर पालिका में उनके विधि सलाहकार के रूप में नियुक्त होने से जुड़े मामले से जोड़ा जा रहा है। नामांकन निरस्त होने की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और समर्थक निर्वाचन कार्यालय के बाहर पहुंच गए। देखते ही देखते मौके पर भीड़ जमा हो गई और कार्रवाई को लेकर विरोध के चलते माहौल तनावपूर्ण हो गया। स्थिति की जानकारी मिलने पर मांडलगढ़ रिटर्निंग अधिकारी स्वाति झा और डीएसपी योगेश शर्मा पुलिस जाप्ते के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने मौके पर मौजूद कार्यकर्ताओं से समझाइश कर स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। भीड़ बढ़ने पर पुलिस ने निर्वाचन कार्यालय के बाहर जमा लोगों को वहां से हटाया। नामांकन निरस्त होने के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं में नाराजगी देखी गई। वहीं, घटना के बाद बीगोद नगर पालिका चुनाव को लेकर राजनीतिक चर्चाएं भी तेज हो गई हैं। अब नामांकन निरस्तीकरण के मामले को लेकर आगे क्या रुख सामने आता है, इस पर राजनीतिक हलकों की नजर बनी हुई है।

वार्डों की सफाई पर आयुक्त की पैनी नजर, गंदगी मिलते ही कार्रवाई के निर्देश

वार्ड 7 व 11 में औचक निरीक्षण से मचा हड़कंप, सड़कों-नालियों की बदहाल स्थिति पर जिम्मेदारों से जवाब तलब

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा । शहर की सफाई व्यवस्था में लापरवाही को लेकर नगर निगम प्रशासन ने सख्ती शुरू कर दी है। निगम आयुक्त कमल सिंह यादव ने 1 सितंबर को वार्ड नंबर 7 और 11 का औचक निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान सड़कों और नालियों में गंदगी मिलने पर संबंधित जमादार एवं स्वास्थ्य निरीक्षक को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने दोनों वार्डों में बीटवाइज सफाई कर्मचारियों की उपस्थिति की जांच की तथा सड़कों, नालियों और सार्वजनिक स्थलों की स्थिति देखी। मयूर स्कूल के सामने स्थित कचरा स्टैंड की नियमित और प्रभावी सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए गए। आयुक्त ने वार्ड के स्थानीय नागरिकों से सफाई व्यवस्था को लेकर सीधा फीडबैक लिया। उन्होंने आमजन से अपील की कि निर्धारित स्थानों पर ही कचरा डालें तथा मुख्य मार्गों और सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी नहीं फैलाएं। वहीं खाली भूखंडों पर कचरा एवं गंदगी फैलाने वालों के साथ संबंधित प्लॉट स्वामियों को भी चिन्हित कर नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया कि शहर की स्वच्छता व्यवस्था में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। स्वच्छ एवं सुंदर भीलवाड़ा बनाने के लिए सफाई व्यवस्था की लगातार निगरानी और आवश्यक कार्रवाई जारी रहेगी।

निजी स्कूल नेहरू बाल सेकेंडरी पचपहाड़ का प्रिंसिपल महेश बालोदिया गिरफ्तार

पीड़िता के साथ डरा धमका कर वीडियो बनाने व छेड़छाड़ करने में किया गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल

रणवीर सिंह चौहान भवानी मंडी
भवानी मंडी पुलिस ने विगत 8 अगस्त को एक निजी स्कूल के प्रिंसिपल द्वारा पीड़िता को डरा धमका कर छेड़छाड़ करने और वीडियो वायरल करने के आरोप में आरोपी प्रिंसिपल को गिरफ्तार कर लिया जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने बताया कि पुलिस थाना भवानीमंडी द्वारा निजी स्कूल के प्रिंसिपल द्वारा पीड़िता को डरा धमका कर वीडियो बनाकर वायरल करने एवं छेड़छाड़ करने वाला आरोपी महेश बालोदिया को गिरफ्तार करने में सफलता अर्जित की है।

घटना का विवरण:- 8 अगस्त को फरियादी ने उप थाना होकर एक प्रार्थना पत्र इस आशय का पेश किया कि मेरी लड़की नेहरू बाल सेकेंडरी एकेडमी में बच्चों को पढ़ाती है जिसका प्रिंसिपल महेश बालोदिया है। रोज की तरह मेरी लड़की सुबह 10 बजे स्कूल गई। स्कूल जाने के बाद महेश बालोदिया ने मेरी लड़की को अपनी कार में बैठाकर लड़की को गाड़ी में चाकू दिखा कर धमकाया और मालीपुरा के रास्ते पर जाकर गाड़ी रोकी उसने उसके पास से एक कागज निकाला और पढ़ने को बोला डर से उसे पढ़ने लगी तो वीडियो बनाया और लड़की के पति को भेज दिया बाद में धमकी देकर छोड़ कर चला गया इत्यादि पर प्रकरण दर्ज किया गया।

कार्यवाही पुलिस:- घटना की गंभीरता को देखते हुए जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार व भागचंद मीणा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक झालावाड़ के निर्देशन एवं सत्यनारायण गोदारा आर.पी.एस. वृत्ताधिकारी वृत्त भवानीमंडी के निकटतम सुपरविजन में प्रमोद कुमार पु.नि. थानाधिकारी थाना भवानीमंडी के नेतृत्व में थाना स्तर पर टीम गठित की गई। गठित टीम आसूचना संकलन व तकनीकी विश्लेषण के आधार पर पीड़िता को डरा धमका कर वीडियो बनाकर वायरल करने एवं छेड़छाड़ करने वाला आरोपी महेश बालोदिया को गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार विवरण:-
महेश बालोदिया पुत्र बालाराम बालोदिया जाति प्रजापति उम्र 38 साल निवासी बाबा चौराहा पचपहाड़ थाना भवानीमंडी जिला झालावाड़

टीम पुलिस थाना भवानीमंडी:-
प्रमोद कुमार पु.नि. थानाधिकारी थाना भवानीमंडी,
रेवती रमण उ.नि. पुलिस थाना भवानीमंडी
पुष्पेन्द्र सिंह कानि. 1190 पुलिस थाना भवानीमंडी
सुरेन्द्र गोदारा कानि. 208 पुलिस थाना भवानीमंडी

बरूंदनी में चोरी की लगातार घटनाओं से ग्रामीणों में आक्रोश, कुओं से केबल चोरी के विरोध में पुलिस चौकी के बाहर अनशन शुरू

स्मार्ट हलचल

आकोला, बरूंदनी क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से नाराज ग्रामीणों ने मंगलवार को पुलिस चौकी के बाहर धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया। चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने और आरोपियों का पता लगाने की मांग को लेकर भारतीय किसान संघ के पदाधिकारी ने अनशन शुरू करने की घोषणा की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार रात बरूंदनी में अज्ञात चोरों ने कुओं को निशाना बनाया। ग्रामीण पुष्कर लाल मीणा ने बताया कि गांव के एक कुएं पर लगी पानी की दो मोटरों की केबल अज्ञात चोर काटकर ले गए। इसी रात दीपक पिता कैलाश चंद्र तथा भेरूलाल पिता छितर लाल सुथार के कुएं से भी केबल चोरी होने की घटनाएं सामने आई हैं। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से ग्रामीणों में भारी असंतोष है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में आए दिन चोरी की घटनाएं सामने आ रही हैं, लेकिन इन पर प्रभावी अंकुश नहीं लग पा रहा है। इससे किसानों और ग्रामीणों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ रही है। चोरी की घटनाओं के विरोध में भारतीय किसान संघ, भीलवाड़ा के जिला आपदा राहत प्रमुख पुष्कर लाल मीणा ने मंगलवार सुबह 9:15 बजे से पुलिस चौकी के बाहर अनशन शुरू करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि जब तक चोरी की घटनाओं में शामिल चोर गिरोह का पर्दाफाश नहीं होता, तब तक उनका अनशन जारी रहेगा। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से क्षेत्र में गश्त बढ़ाने, चोरी की घटनाओं की जांच कर आरोपियों का पता लगाने तथा किसानों के कुओं से लगातार हो रही केबल चोरी पर प्रभावी कार्रवाई करने की मांग की है।

खेराड़ क्षेत्र में रोडवेज बसों का टोटा

भीलवाड़ा-बूंदी रूट पर सिर्फ एक बस के भरोसे दर्जनों गांव, छात्र-छात्राएं परेशान; 4 बसें चलाने की मांग

कोरोना काल से पहले चलती थीं 2 बसें, अब समय पर बस न मिलने से कॉलेज विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित; ग्रामीणों ने उठाई अतिरिक्त फेरे शुरू करने की मांग

स्मार्ट हलचल

खेराड़/भीलवाड़ा भीलवाड़ा और बूंदी जिले को जोड़ने वाले खेराड़ अंचल के दर्जनों गांवों में रोडवेज बसों की भारी कमी के चलते ग्रामीणों और विद्यार्थियों को रोजाना भारी फजीहत का सामना करना पड़ रहा है। भीलवाड़ा से बूंदी वाया खेराड़ के इस लंबे और व्यस्त मार्ग पर वर्तमान में केवल एक ही रोडवेज बस का संचालन हो रहा है, जिससे यात्रियों को घंटों इंतजार करना पड़ रहा है।

कोरोना काल के बाद घटा दी बसें, अब एक के भरोसे रूट

ग्रामीणों ने बताया कि कोरोना काल से पहले इस मार्ग पर राजस्थान रोडवेज की दो नियमित बसें संचालित होती थीं, लेकिन महामारी के बाद से परिवहन निगम ने एक बस का संचालन बंद कर दिया। वर्तमान में इस विस्तृत रूट पर मात्र एक ही बस चल रही है, जिसके संचालन का कोई निश्चित समय नहीं होने से यात्रियों को भारी असुविधा हो रही है। ग्रामीणों व क्षेत्रवासियों की मांग है कि इस मार्ग पर कम से कम 4 नियमित रोडवेज बसें शुरू की जाएं।

विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित, आवागमन का एकमात्र साधन है रोडवेज

खेराड़ क्षेत्र के अधिकांश युवा उच्च शिक्षा एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए भीलवाड़ा और बूंदी के कॉलेजों व कोचिंग संस्थानों में जाते हैं। ग्रामीण अंचल में आवागमन के लिए रोडवेज बसें ही एकमात्र सुरक्षित व सुलभ साधन हैं। समय पर बस नहीं मिलने और बसों के अनियमित संचालन से छात्र-छात्राओं को रोजाना कॉलेज पहुंचने में देरी होती है, जिससे उनकी पढ़ाई बुरी तरह प्रभावित हो रही है।

दर्जनों गांवों की लाइफलाइन है यह रूट

भीलवाड़ा से बूंदी के बीच यह मार्ग त्रिवेणी, महुआ, मानपुरा, श्यामपुरा, माल का खेड़ा, जलिन्द्री, खींया, नीम का खेड़ा, गुड्डा नाथावत एवं रामनगर सहित कई बड़े गांवों और ढाणियों को जोड़ता है। इतने बड़े क्षेत्र में केवल एक बस होने से वह भी हमेशा ठसाठस भरी रहती है, जिससे बुजुर्गों, महिलाओं और मरीजों को यात्रा करने में परेशानी झेलनी पड़ती है। क्षेत्रवासियों ने राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम (RSRTC) के उच्चाधिकारियों व जनप्रतिनिधियों से इस रूट पर तत्काल नई बसें शुरू करने की मांग की है।

सोलीवाल बने स्वर्णकार महासभा के प्रदेश कोषाध्यक्ष

आसींद से पुणे तक समाज में खुशी की लहर, नई जिम्मेदारी पर बधाइयों का तांता

स्मार्ट हलचल

आसींद / मैढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार महासभा राजस्थान की नई प्रदेश कार्यकारिणी में मूलतः आसींद निवासी एवं वर्तमान में पुणे निवासी दिनेश कुमार सोलीवाल को प्रदेश कोषाध्यक्ष की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है।

राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष रामस्वरूप कड़ेल के आदेश एवं संरक्षकों की सहमति से हुई नियुक्ति की जानकारी प्रदेश महासचिव सत्य प्रकाश मौसुण ने दी।

नियुक्ति की घोषणा के बाद आसींद सहित प्रदेशभर के स्वर्णकार समाज में हर्ष की लहर दौड़ गई। समाजजनों ने सोलीवाल को बधाई देते हुए उम्मीद जताई कि उनके अनुभव से संगठन को मजबूती मिलेगी और समाजहित के कार्यों को नई गति मिलेगी।

हर्षोल्लास के साथ मनाया तीज का पर्व

स्मार्ट हलचल

काछोला 1 सितंबर -कस्बे सहित क्षेत्र में तीज का त्यौहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।विवाहित महिलाओं ने अपने पति की लंबी उम्र,अच्छे स्वास्थ्य,और सुखी वैवाहिक जीवन के लिए निर्जला व्रत रखकर प्रार्थना करती है।वही अविवाहित युवतियां भी अपने मन पसंद वर पाने के लिए व्रत करती है।वही महिलाओं ने बताया कि तीज पर्व मुख्य रूप से भगवान शिव और माता पार्वती के पुनर्मिलन और प्रकृति के स्वागत के लिए मनाया जाता है। शिव-पार्वती का मिलन - पौराणिक कथा के अनुसार, माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए 108 बार कठोर तपस्या की थी। उनकी इस साधना के बाद श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया को उनका विवाह हुआ, जिसे शिव-पार्वती के दिव्य मिलन के रूप में मनाया जाता है। प्रकृति और मानसून का स्वागत: यह त्योहार वर्षा ऋतु (सावन-भादो) में आता है जब चारों ओर हरियाली छा जाती है। यह प्रकृति के सौंदर्य, उमंग और उल्लास का भी प्रतीक है। वही महिलाएं इस दिन हाथों में मेहंदी रचा, नए वस्त्र पहनती हैं और झूला झूलती हैं।भगवान शिव और माता पार्वती की विधि-विधान से पूजा की जाती है।

सिंगोली श्याम मंदिर का दानपात्र खुला, 28.11 लाख रुपये से अधिक की दान राशि प्राप्त

स्मार्ट हलचल

आकोला, स्मार्ट हलचल। सुप्रसिद्ध राजकीय आत्मनिर्भर मंदिर सिंगोली श्याम में आज मंदिर के दानपात्र खोले गए। दानपात्रों से कुल 28 लाख 11 हजार 950 रुपये की दान राशि प्राप्त हुई। दानपात्र से प्राप्त राशि की गणना प्रशासनिक अधिकारियों, बैंक प्रबंधन और मंदिर स्टाफ की मौजूदगी में की गई। गणना की प्रक्रिया के दौरान प्रशासक राकेश कुमार आर्य, सहायक लेखाधिकारी (AAO) सुरेंद्र सिंह, निरीक्षक भोजराज अग्रवाल और कैशियर बंशीधर बुनकर मुख्य रूप से मौजूद रहे। मंदिर प्रबंधन की ओर से अर्जुन सिंह सोलंकी, भंडारी सुरेंद्र पराशर, मंदिर पुजारी प्रदीप पाराशर, सुरक्षा गार्ड विजय कुमार एवं मांगीलाल सहित मंदिर कर्मचारी शंकर सिंह, कन्हैयालाल और शंकर नाथ ने व्यवस्थाएं संभालीं।

बैंक टीम की मौजूदगी में हुई दान राशि की गणना

दान राशि की सुरक्षित एवं सटीक गणना के लिए बैंक की विशेष टीम भी मौके पर मौजूद रही। बैंक मैनेजर अरविंद सैनी, अधिकारी तंवर सिंह, मुकेश बैरवा और कैशियर ने गणना प्रक्रिया में सहयोग किया। इस दौरान मंदिर के प्रमुख भक्तगण राम राय लड्डा, मदनलाल, मोहनलाल, दिनेश धाकड़ और भागचंद शर्मा सहित अन्य लोग भी मौजूद रहे। गिनती पूरी होने के बाद राशि सुरक्षित रूप से बैंक में जमा करवा दी गई। मंदिर प्रशासन एवं बैंक टीम की मौजूदगी में हुई गणना के चलते दान राशि की प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से पूरी की गई।

शाहपुरा के वार्ड 20 में नामांकन पर सियासी घमासान

कांग्रेस प्रत्याशी शनील चौधरी के नामांकन पर आपत्ति खारिज, शिकायतकर्ता हाईकोर्ट जाने की तैयारी

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा । नगर पालिका चुनाव 2026 में नामांकन पत्रों की जांच के दौरान वार्ड संख्या 20 का मामला अचानक सियासी चर्चा का केंद्र बन गया। निर्दलीय प्रत्याशी दुर्गालाल राजौरा ने कांग्रेस प्रत्याशी शनील चौधरी के नामांकन पर गंभीर आपत्तियां दर्ज कराते हुए उसे निरस्त करने की मांग की। निर्वाचन अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत आपत्ति में ओबीसी प्रमाण-पत्र, कांग्रेस के अधिकृत सिंबल में नाम की कथित काट-छांट तथा अधिकृत प्रत्याशी होने को लेकर सवाल उठाए गए। नामांकन जांच के दौरान शिकायतकर्ता दुर्गालाल राजौरा को निर्वाचन अधिकारी ने सुना। इसके बाद संबंधित अभ्यर्थी शनील चौधरी का पक्ष भी लिया गया। जांच प्रक्रिया के दौरान मौके पर मौजूद कांग्रेस नगर अध्यक्ष रमेश सेन से भी निर्वाचन अधिकारी ने कांग्रेस के अधिकृत सिंबल एवं प्रत्याशी के संबंध में जानकारी ली। बताया गया कि इस संबंध में एक पत्र पर सहमति भी लिखवाई गई। इसके बाद निर्वाचन अधिकारी ने दुर्गालाल राजौरा की ओर से प्रस्तुत आपत्ति को खारिज कर दिया।

आपत्ति में तीन बड़े सवाल

राजौरा ने निर्वाचन अधिकारी को दी लिखित शिकायत में कहा कि वार्ड 20 से कांग्रेस प्रत्याशी शनील चौधरी ने नामांकन के साथ ओबीसी का नया जाति प्रमाण-पत्र प्रस्तुत नहीं किया, जबकि उनके अनुसार यह आवश्यक दस्तावेज है। दूसरी आपत्ति कांग्रेस के अधिकृत सिंबल को लेकर दर्ज कराई गई। शिकायत में आरोप लगाया गया कि कांग्रेस द्वारा जारी सिंबल में मूल नाम 'अनिल चौधरी' में काट-छांट कर 'सानिल चौधरी' किए जाने का मामला दिखाई देता है। शिकायतकर्ता ने यह भी सवाल उठाया कि नाम में किए गए कथित सुधार पर सिंबल जारी करने वाले अधिकृत व्यक्ति के कोई इनिशियल मौजूद नहीं हैं। इसी आधार पर भी नामांकन निरस्त करने की मांग की गई। तीसरी आपत्ति कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशी होने को लेकर उठाई गई। राजौरा ने निर्वाचन अधिकारी से मांग की कि कथित तौर पर अधिकृत सिंबल में नाम की काट-छांट और अन्य दस्तावेजों की स्थिति को देखते हुए नामांकन पत्र की वैधता की जांच की जाए।

फैसले की प्रति मांगी, अब हाईकोर्ट की तैयारी-

निर्वाचन अधिकारी द्वारा आपत्ति खारिज किए जाने के बाद मामला फिलहाल शांत होता नजर नहीं आ रहा। शिकायतकर्ता दुर्गालाल राजौरा ने बताया कि उन्होंने निर्वाचन अधिकारी से आपत्ति खारिज करने के निर्णय की प्रमाणित प्रति मांगी है। उनका कहना है कि आदेश की प्रति प्राप्त होने के बाद पूरे मामले को लेकर राजस्थान हाईकोर्ट में रिट याचिका दायर की जाएगी। राजौरा का कहना है कि उन्होंने निर्वाचन प्रक्रिया पर सवाल उठाने के उद्देश्य से नहीं, बल्कि नामांकन में बताए गए दस्तावेजों और कांग्रेस के अधिकृत सिंबल से जुड़ी आपत्तियों के आधार पर शिकायत प्रस्तुत की है। अब निर्वाचन अधिकारी के निर्णय की प्रति मिलने के बाद वे न्यायालय में पूरे मामले को चुनौती देने की तैयारी में हैं।

चुनावी मैदान से हाईकोर्ट तक पहुंच सकता है मामला-

वार्ड 20 का यह विवाद अब केवल दो प्रत्याशियों के बीच चुनावी मुकाबले तक सीमित नहीं रह गया है। एक ओर निर्वाचन अधिकारी ने जांच के बाद आपत्ति को खारिज कर कांग्रेस प्रत्याशी का नामांकन बरकरार रखा है, वहीं दूसरी ओर शिकायतकर्ता ने इस निर्णय को न्यायालय में चुनौती देने का संकेत दिया है।

ऐसे में वार्ड 20 का चुनावी मुकाबला आने वाले दिनों में और दिलचस्प होने के आसार हैं। अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि निर्वाचन अधिकारी द्वारा आपत्ति खारिज करने के आदेश में क्या कारण दर्ज किए गए हैं और हाईकोर्ट में यदि रिट दायर होती है तो न्यायालय इस पूरे मामले में क्या रुख अपनाता है।

गौ रक्षा को गांव-गांव तक पहुंचाने की तैयारी, 100 किसानों के प्रशिक्षण शिविर लगाने का निर्णय...

शाहपुरा में विहिप की महत्वपूर्ण बैठक, गोपालन बढ़ाने, गौशालाओं को स्वावलंबी बनाने और गौ रक्षा को मजबूत करने पर मंथन

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। । गौ रक्षा को लेकर विश्व हिंदू परिषद ने अब ग्रामीण क्षेत्रों में अभियान को और गति देने की तैयारी शुरू कर दी है। शाहपुरा के केशव सीनियर सेकेंडरी स्कूल में विश्व हिंदू परिषद के तत्वावधान में गौ रक्षा से जुड़े पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक में गोपालन को बढ़ावा देने, गौ रक्षा को प्रभावी बनाने तथा गौशालाओं को स्वावलंबी बनाने को लेकर विस्तार से मंथन किया गया। बैठक विश्व हिंदू परिषद अखिल भारतीय सह गौ रक्षा प्रमुख केशव राजू जी भाई साहब एवं राजस्थान क्षेत्रीय संगठन मंत्री एवं गौ रक्षा प्रमुख प्रभात शर्मा, जयपुर के सानिध्य में हुई। इसमें जिलेभर से गौ रक्षा, गो सेवा, गो जीव संरक्षण और गौशाला संचालन से जुड़े पदाधिकारियों ने भाग लिया।

अब किसानों को दिया जाएगा प्रशिक्षण

विहिप प्रांत गौ रक्षा प्रमुख रामेश्वर लाल धाकड़ ने बताया कि बैठक में ग्रामीण क्षेत्रों में गौ आधारित गतिविधियों को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया गया। इसके तहत शाहपुरा, फुलिया एवं जहाजपुर क्षेत्र में 100 किसानों के प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने का निर्णय लिया गया। इन प्रशिक्षण शिविरों के माध्यम से किसानों को गोपालन से जुड़ी उपयोगी जानकारी देने के साथ ही गौ आधारित कृषि और पशुपालन को बढ़ावा देने का प्रयास किया जाएगा। बैठक में यह विचार सामने आया कि यदि किसान व्यवस्थित एवं वैज्ञानिक तरीके से गोपालन को अपनाएं तो इससे एक ओर गौ रक्षा को मजबूती मिलेगी, वहीं दूसरी ओर गौशालाओं को भी आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में रास्ता खुल सकता है।

गौ रक्षा के साथ स्वावलंबन पर फोकस

बैठक में गौ रक्षा को केवल संरक्षण तक सीमित रखने के बजाय इसे गोपालन, किसान और गौशाला के स्वावलंबन से जोड़ने पर जोर दिया गया। पदाधिकारियों ने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था में गोवंश की भूमिका को मजबूत करने की जरूरत है। किसानों को प्रशिक्षण देकर गोपालन के प्रति जागरूक किया जाए तो इसका सीधा लाभ गौ संरक्षण अभियान को मिल सकता है। इस दौरान जिला स्तर पर गौ रक्षा से जुड़े कार्यों, गौशालाओं की व्यवस्थाओं तथा गो जीव संरक्षण गतिविधियों को लेकर भी चर्चा की गई।

ढिकोला की गौशाला में जुटे सैकड़ों कार्यकर्ता

बैठक के बाद विहिप के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता श्री राम नंदी गौशाला, ढिकोला पहुंचे। यहां आयोजित कार्यक्रम में सैकड़ों कार्यकर्ता एकत्रित हुए। गौशाला में गौ सेवा एवं गौ रक्षा से जुड़े विषयों पर कार्यकर्ताओं के साथ संवाद किया गया। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल ने अंतरराष्ट्रीय रामस्नेही पीठ के दर्शन किए तथा श्री प्रताप सिंह बारहठ स्मारक संग्रहालय का अवलोकन किया। इसके पश्चात प्रतिनिधिमंडल भीलवाड़ा के नौगांवा स्थित माधव गौशाला अनुसंधान केंद्र में आयोजित बैठक में शामिल होने के लिए रवाना हुआ।

संगठनात्मक विस्तार और प्रशिक्षण पर जोर

लगातार बैठकों और कार्यक्रमों के जरिए विश्व हिंदू परिषद की गौ रक्षा गतिविधियों को ग्रामीण स्तर तक विस्तार देने की कवायद भी दिखाई दी। शाहपुरा, फुलिया और जहाजपुर में प्रस्तावित किसान प्रशिक्षण शिविर इसी अभियान की अगली कड़ी माने जा रहे हैं। बैठक में केंद्रीय सह गौ रक्षा प्रमुख केशव राजू, राजस्थान क्षेत्रीय संगठन मंत्री प्रभात शर्मा, चित्तौड़ प्रांत गौ रक्षा प्रमुख रामेश्वर लाल धाकड़, जिला गौ रक्षा प्रमुख ओमप्रकाश शर्मा, जिला गौशाला प्रमुख मुकेश प्रजापत, विहिप नगर अध्यक्ष भगवान लढ़ा, शंकरलाल शर्मा, बालाजी गो हेल्पलाइन के खुशराज वैष्णव एवं ओमप्रकाश शर्मा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे। ढिकोला से गोपाल पटवारी, सुरेश भाट, लक्ष्मण खारोल, गणपत खटीक, मनीष नायक, राजू नायक, भंवरलाल बलाई, राजकुमार शर्मा सहित प्रबुद्धजन भी कार्यक्रमों में उपस्थित रहे।

सूर्य नमस्कार से तन मन व बुद्धि की जड़ता दूर होती है व जीवन मे सक्रियता का संचार होता है : प्रतिभा श्रीजी

स्मार्ट हलचल

ओम जैन शंभूपुरा। शंभूपुरा। सेंथी स्थित शांति भवन में चातुर्मासिक प्रवचन जैन सिद्धान्ताचार्य श्री प्रतिभाश्री जी म. सा. के तत्वाधान में गतिमान है। प्रवक्ता रोशन लाल चोपड़ा के अनुसार साध्वी जी ने अपने प्रवचन में फरमाया कि भारतीय संस्कृति प्रकाश की पुजारी है। भौतिक जगत में प्रकाश का साधन मनुष्यो के लिए दीपक है। सूर्य व चन्द्र भी प्रकाश के प्रतिमान दिखते है। दीपक सीमीत क्षेत्र को प्रकाशित करता है किन्तु सूर्य व चन्द्र समस्त ब्रह्माण्ड को आलोकित करते है। पूर्व से पश्चिम तक यात्रा करता हुआ ज्योतिपुंज सूर्य समस्त संसार को प्रकाशवान करता है। गायत्री मंत्र में सूर्य उपासना के द्वारा सूर्य किरणो से स्वयं को आलोकित करने का मार्ग दिखाया है। कई श्रद्धालु प्रातः उगते सूर्य को नमस्कार करते है। सूर्य महा तेजस्वी प्रत्यक्ष देव है जो नित्य दर्शन देता है। सूर्य नमस्कार से तन मन व बुद्धि की जड़ता दूर होती है। व जीवन मे सक्रियता का संचार होता है। जैन दर्शनानुसार सूरज मे प्रकाश की गति एक सैकेण्ड मे एक लाख छियासी हजार मील है तो चैतन्य सूर्य की गति कितनी तीव्र हो सकती है। चैतन्य सूर्य की किरणे जब परमात्मा की ज्ञान किरणो से जुड़ती है तब कई अद्भुत कार्य होने लगते है। निरन्तर नवकार मंत्र जाप की श्रृंखला मे 2 सितम्बर का जाप प्रकाश चन्द, गौरव दरड़ा की तरफ से रखा गया जिसमे अधिकाधिक संख्या मे पधारकर धर्म लाभ लेने का श्रीसंघ सेन्धी ने आव्हान किया।

जर्जर सड़क पर एक से डेढ़ फीट गहरे गड्ढे, 2000 स्कूली बच्चों का आवागमन मुश्किल

बरयेपुर के 150 मीटर मार्ग पर इंटरलॉकिंग की मांग, शिकायत के बाद भी नहीं हुई कार्रवाई

स्मार्ट हलचल

अ खखरेरू/फतेहपुर बरयेपुर को जोड़ने वाला करीब 150 मीटर लंबा प्रमुख मार्ग इन दिनों बदहाल है। सड़क पर जगह-जगह एक से डेढ़ फीट तक गहरे गड्ढे हो गए हैं। बारिश के दौरान इन गड्ढों में पानी और कीचड़ भर जाने से राहगीरों के साथ स्कूली बच्चों को भी आवागमन में परेशानी उठानी पड़ रही है। यह मार्ग करीब 10 गांवों के ग्रामीणों के आवागमन का प्रमुख साधन है। इसी रास्ते से बरयेपुर इंटर कॉलेज और कान्वेंट स्कूल में पढ़ने वाले करीब 2000 छात्र-छात्राएं प्रतिदिन विद्यालय आते-जाते हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि जर्जर सड़क के कारण बच्चे आए दिन फिसलकर गिर जाते हैं। बारिश के दौरान कीचड़ के चलते उनकी स्कूल ड्रेस और किताबें तक खराब हो जाती हैं। ग्रामीणों और अभिभावकों के अनुसार मार्ग की बदहाली को लेकर पूर्व में जिलाधिकारी, खंड विकास अधिकारी और ग्राम पंचायत अधिकारी रतनपुर को लिखित रूप से अवगत कराया जा चुका है। इसके बावजूद अब तक सड़क की मरम्मत अथवा निर्माण को लेकर कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया। ग्रामीणों, अभिभावकों और विद्यालय परिवार ने प्रशासन से मार्ग की स्थिति को गंभीरता से लेते हुए करीब 150 मीटर हिस्से में तत्काल इंटरलॉकिंग सड़क निर्माण कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क बनने से करीब 10 गांवों के लोगों के साथ हजारों स्कूली बच्चों को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिल सकेगी। इस संबंध में खंड विकास अधिकारी धाता राजेंद्र कुमार ने बताया कि सचिव को भेज कर जांच कर कर अग्रिम कार्रवाई किया जाएगा

बारिश में गरीब का आशियाना ढहा, मलबे में दबकर गोवंश की मौत

परिवार दूसरी ओर सो रहा था, वरना हो सकता था बड़ा हादसा; भैंस गंभीर रूप से घायल

स्मार्ट हलचल

अ खखरेरू/फतेहपुर धाता विकासखंड के ग्राम सभा तेंदुआ में पिछले 24 घंटे से रुक-रुककर हो रही भारी बारिश ने एक गरीब परिवार की मुश्किलें बढ़ा दीं। सोमवार देर रात करीब दो बजे मिठाई लाल पुत्र राम सिंह का कच्चा मकान अचानक भरभराकर गिर गया। मकान के मलबे की चपेट में आने से एक गोवंश की दबकर मौत हो गई, जबकि पास बंधी भैंस गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के समय मिठाई लाल और उसका परिवार मकान के दूसरे हिस्से में सो रहा था। इससे परिवार बाल-बाल बच गया। मकान गिरने की तेज आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और मलबा हटाने का प्रयास किया। मलबे में गोवंश को मृत देखकर पीड़ित परिवार की आंखों से आंसू छलक पड़े। ग्रामीणों के मुताबिक मिठाई लाल मेहनत-मजदूरी और पशुपालन के सहारे अपने परिवार का भरण-पोषण करता है। ऐसे में गोवंश की मौत और मकान ढहने से उसे दोहरा नुकसान हुआ है। घटना की सूचना पर क्षेत्रीय लेखपाल मौके पर पहुंचे। उन्होंने मृत गोवंश का पोस्टमार्टम कराया तथा घायल भैंस के इलाज की व्यवस्था कराई। साथ ही मौके पर हुए नुकसान का आकलन कर प्रशासन की ओर से हरसंभव सहायता दिलाने का आश्वासन दिया।

वार्ड 46 में कांग्रेस प्रत्याशी प्रेमलता जीनगर का सघन जनसंपर्क घर-घर जाकर मांगा आशीर्वाद, विकास का दिया भरोसा

प्रचार के दौरान कांग्रेस प्रत्याशी प्रेमलता जीनगर और भाजपा प्रत्याशी पिंकी खटीक का हुआ आमना-सामना; दोनों ने दिखाया आपसी सौहार्द और भाईचारा

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा । वार्ड नंबर 46 से कांग्रेस की अधिकृत प्रत्याशी प्रेमलता जीनगर ने मंगलवार को वार्ड क्षेत्र में सघन जनसंपर्क अभियान चलाकर मतदाताओं से समर्थन की अपील की। इस दौरान उन्होंने घर-घर पहुंचकर बुजुर्गों के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लिया और माताओं-बहनों से संवाद कर कांग्रेस के पक्ष में मतदान करने की मनुहार की।

जनसमस्याओं के त्वरित समाधान और विकास का दिया भरोसा

जनसंपर्क के दौरान स्थानीय नागरिकों व क्षेत्रवासियों ने प्रत्याशी का गर्मजोशी से स्वागत किया और वार्ड की विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया। प्रेमलता जीनगर ने मतदाताओं को आश्वस्त करते हुए कहा कि वार्ड का समग्र विकास, मूलभूत सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण और आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने कहा कि जनता का विश्वास ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है और सेवा का अवसर मिलने पर वे पूरी निष्ठा के साथ वार्ड के उत्थान के लिए समर्पित रहेंगी।

चुनावी समर में दिखा सौहार्द: कांग्रेस व भाजपा प्रत्याशी ने एक-दूसरे का किया अभिवादन

जनसंपर्क अभियान के दौरान वार्ड 46 में लोकतंत्र की खूबसूरत और सकारात्मक तस्वीर देखने को मिली, जब कांग्रेस प्रत्याशी प्रेमलता जीनगर और भाजपा प्रत्याशी पिंकी खटीक का आमना-सामना हुआ। दोनों प्रत्याशियों ने चुनावी प्रतिद्वंद्विता को दरकिनार करते हुए आत्मीयता के साथ एक-दूसरे का अभिवादन किया और कुशलक्षेम पूछी। इस आत्मीय मुलाकात ने चुनावी माहौल में आपसी भाईचारे, सौहार्द और स्वस्थ लोकतांत्रिक मूल्यों का अनूठा संदेश दिया।

समर्थकों के साथ चला डोर-टू-डोर कैंपेन

जनसंपर्क के दौरान कांग्रेस पदाधिकारी, पार्टी प्रवक्ता एवं बड़ी संख्या में समर्थक साथ रहे। क्षेत्र में प्रत्याशी के पहुंचने पर वार्डवासियों ने उत्साहपूर्वक स्वागत किया और समर्थन का भरोसा दिलाया।

नेत्रदान जागरूकता के लिए कोटा विश्वविद्यालय और आई बैंक सोसाइटी के बीच पांच वर्षीय एमओयू...

विद्यार्थियों को बनाया जाएगा नेत्रदान जागरूकता का दूत, हर छह माह में विशेष संयुक्त कार्यक्रम

युवा बनेंगे नेत्रदान जागरूकता अभियान के सशक्त संदेशवाहक : कुलगुरु

नेत्रदान मानवता की सेवा का श्रेष्ठ माध्यम : कुलगुरू प्रो. सारस्वत

स्मार्ट हलचल

कोटा। नेत्रदान के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने और युवाओं को इस मानवीय अभियान से जोड़ने की दिशा में कोटा विश्वविद्यालय और आई बैंक सोसाइटी ऑफ राजस्थान, कोटा चैप्टर ने पांच वर्षीय समझौता (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। नेत्रदान पखवाड़े के अवसर पर हुई इस पहल के तहत दोनों संस्थाएं संयुक्त रूप से जागरूकता कार्यक्रमों, संगोष्ठियों, कार्यशालाओं और जनसंपर्क गतिविधियों का आयोजन करेंगी। कोटा विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. भगवती प्रसाद सारस्वत ने कहा कि नेत्रदान मानवता की सर्वोच्च सेवाओं में से एक है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय केवल शिक्षा प्रदान करने तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों में सामाजिक चेतना और मानवीय मूल्यों का विकास करना भी उसकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।उन्होंने कहा कि युवाओं की भागीदारी से नेत्रदान जागरूकता अभियान को व्यापक जनसमर्थन मिल सकता है। विद्यार्थी यदि वैज्ञानिक और सही जानकारी समाज तक पहुंचाएं तो नेत्रदान से जुड़ी भ्रांतियों और संकोच को दूर करने में बड़ी सफलता मिल सकती है।इस अवसर पर कुलगुरु प्रो. भगवती प्रसाद सारस्वत, आई बैंक सोसाइटी ऑफ राजस्थान, कोटा चैप्टर के अध्यक्ष डॉ. कृष्ण कुमार कंजोलिया, समन्वयक डॉ. सुरेश पाण्डेय, डॉ. अमित सिंह राठौड़, सचिव सुरेश सेडवाल, समाजसेवी जी.डी. पटेल, तकनीशियन टिंकू ओझा, प्रो. रीना दाधीच,प्रो.धनश्याम शर्मा, डॉ. अंकित शर्मा सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। अध्यक्ष डा के के कंजोलिया ने बताया कि एमओयू के अनुसार विश्वविद्यालय में नेत्रदान जागरूकता व्याख्यान, सेमिनार और कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी। नेत्रदान संकल्प अभियान चलाए जाएंगे तथा विद्यार्थियों को नेत्रदान जागरूकता के संदेशवाहक के रूप में तैयार करने के लिए 'स्टूडेंट आई डोनेशन एम्बेसडर प्रोग्राम' संचालित किया जाएगा। विश्वविद्यालय परिसर में जागरूकता सामग्री का नियमित प्रदर्शन भी किया जाएगा। सचिव सुरेश सेडवाल ने बताया कि समझौते के तहत प्रत्येक छह माह में कम से कम एक विशेष संयुक्त नेत्रदान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा विश्व नेत्रदान दिवस सहित अन्य महत्वपूर्ण अवसरों पर वार्षिक जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। नेत्रदाता परिवारों के सम्मान एवं अभिनंदन के लिए भी विशेष कार्यक्रम आयोजित होंगे। समाजसेवी जी डी पटेल एवं वरिष्ट नेत्र सर्जन सुरेश पाण्डेय ने कहा कि समाज में नेत्रदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए निरंतर और संगठित प्रयासों की आवश्यकता है। कोटा विश्वविद्यालय के साथ हुआ यह एमओयू युवाओं को अभियान से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। आई बैंक सोसाइटी ऑफ राजस्थान, कोटा चैप्टर के समन्वयक एवं नेत्र सर्जन डॉ. सुरेश पाण्डेय ने कहा कि नेत्रदान के प्रति सही जानकारी और जागरूकता का प्रसार आवश्यक है। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को अभियान से जोड़कर इस संदेश को व्यापक स्तर पर समाज तक पहुंचाया जा सकेगा। प्रो. रीना दाधीच एवं डॉ. अंकित शर्मा ने बताया कि एमओयू के तहत विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों के बीच नियमित रूप से नेत्रदान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे

अजनबियों से सावधान, 'मना करो-दूर जाओ-बताओ' का दिया संदेश

जिलेभर के विद्यालयों में विधिक जागरूकता शिविर, विद्यार्थियों को बाल सुरक्षा और अधिकारों की जानकारी

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार खींची ब्यावर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, ब्यावर की ओर से राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर एवं जिला एवं सेशन न्यायाधीश के निर्देशानुसार ट्रांसफॉर्मेटिव ट्यूजडे अभियान के तहत जिले के विभिन्न विद्यालयों में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किए गए। शिविरों में विद्यार्थियों को 'अजनबियों से सावधान–मना करो, दूर जाओ, बताओ' अभियान के तहत अपरिचित लोगों के बहकावे, प्रलोभन या दबाव में नहीं आने के लिए जागरूक किया गया। विद्यार्थियों को असुरक्षित स्थिति में स्पष्ट रूप से मना करने, वहां से दूर जाने तथा तत्काल माता-पिता, शिक्षक या किसी विश्वसनीय व्यक्ति को बताने के लिए प्रेरित किया गया। सचिव एवं अपर जिला न्यायाधीश सोनल पारीख ने खरवा के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय एवं बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में शिविर आयोजित किए। वहीं जिले के अन्य विद्यालयों में भी न्यायिक अधिकारियों ने विद्यार्थियों को व्यक्तिगत सुरक्षा, बाल अधिकार, बाल संरक्षण, पोक्सो अधिनियम-2012, बाल दुर्व्यवहार से बचाव एवं निःशुल्क विधिक सहायता की जानकारी दी। विद्यार्थियों को सोशल मीडिया एवं ऑनलाइन माध्यमों पर अनजान व्यक्तियों से सावधानी बरतने तथा अपनी निजी जानकारी साझा नहीं करने की सलाह दी गई। साथ ही चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, नालसा हेल्पलाइन 15100, महिला हेल्पलाइन 181 तथा पुलिस सहायता नंबर 100 एवं 112 की जानकारी दी गई

वार्ड 59 में भाजपा प्रत्याशी सुनीता चौधरी का नामांकन खारिज

देर रात भाजपा ने निर्दलीय देवराज गहलोत पर जताया भरोसा, चुनावी मुकाबला हुआ रोचक

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार खींची ब्यावर। नगर परिषद चुनाव 2026 के तहत वार्ड संख्या 59 से भाजपा प्रत्याशी सुनीता चौधरी का नामांकन जांच के दौरान निरस्त कर दिया गया। नामांकन खारिज होने के साथ ही वे चुनावी मैदान से बाहर हो गई हैं। नामांकन को लेकर परिसीमन के बाद ग्राम पंचायत एवं वार्ड की स्थिति से संबंधित आपत्ति सामने आई थी। वहीं, प्रशासक पद पर रहते हुए दोहरे लाभ से जुड़े प्रावधानों को लेकर भी सवाल उठाए गए थे। आपत्तियों की जांच के बाद निर्वाचन अधिकारी द्वारा नामांकन निरस्त कर दिया गया। सुनीता चौधरी का नामांकन खारिज होने से भाजपा को वार्ड 59 में बड़ा झटका लगा। इसके बाद देर रात भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने पहले से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन दाखिल कर चुके देवराज गहलोत के साथ संपर्क साधा। बताया जा रहा है कि भाजपा से रुष्ट होकर गहलोत ने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में अपना नामांकन दाखिल किया था। नामांकन खारिज होने के बाद पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने देवराज गहलोत को भाजपा समर्थित प्रत्याशी के रूप में मैदान में उतारने का निर्णय लिया। राजनीतिक गलियारों में इसे लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। लंबे समय से पार्टी से नाराज चल रहे गहलोत के पक्ष में देर रात फैसला होने के बाद यह कहना गलत नहीं होगा कि आखिर देवराज गहलोत के भाग का 'छींका' टूट ही गया। इस पूरे घटनाक्रम से वार्ड 59 के चुनावी समीकरण पूरी तरह बदल गए हैं। अब देवराज गहलोत के मैदान में आने से मुकाबला और दिलचस्प हो गया है। आगामी दिनों में वार्ड 59 में भाजपा समर्थित गहलोत किस तरह चुनावी रणनीति के साथ मैदान संभालते हैं, इस पर सभी की नजरें टिकी हैं।

रानीसागर-पिपलाज में यातायात पुलिस की अनूठी पहल

गायों के गले में लगाए रेडियम, रामदेवरा यात्रियों की बाइक पर चिपकाए रिफ्लेक्टर

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार खींची ब्यावर। सड़क सुरक्षा को लेकर यातायात पुलिस की ओर से रानीसागर-पिपलाज क्षेत्र में विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान रात के समय सड़क पर घूमने वाली गायों को वाहन चालकों द्वारा आसानी से देखा जा सके, इसके लिए उनके गले में रेडियम लगाए गए। वहीं रामदेवरा जाने वाले मोटरसाइकिल सवार श्रद्धालुओं के वाहनों पर भी रिफ्लेक्टर लगाए गए, ताकि रात में वाहन दूर से नजर आ सकें और सड़क दुर्घटनाओं की संभावना कम हो। इस दौरान यातायात प्रभारी के साथ हवलदार रविंद्र सिंह, मेजर मंगल चंद, कॉरिडोर के गणपत सिंह एवं गंगा सिंह सहित पुलिसकर्मी मौजूद रहे। यातायात पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की कि वे रात के समय विशेष सावधानी बरतें और यातायात नियमों का पालन करते हुए सुरक्षित यात्रा करें। अभियान की स्थानीय लोगों ने सराहना की।

गौ रक्षा को गांव-गांव तक पहुंचाने की तैयारी, 100 किसानों के प्रशिक्षण शिविर लगाने का निर्णय

शाहपुरा में विहिप की महत्वपूर्ण बैठक, गोपालन बढ़ाने, गौशालाओं को स्वावलंबी बनाने और गौ रक्षा को मजबूत करने पर मंथन

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। । गौ रक्षा को लेकर विश्व हिंदू परिषद ने अब ग्रामीण क्षेत्रों में अभियान को और गति देने की तैयारी शुरू कर दी है। शाहपुरा के केशव सीनियर सेकेंडरी स्कूल में विश्व हिंदू परिषद के तत्वावधान में गौ रक्षा से जुड़े पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक में गोपालन को बढ़ावा देने, गौ रक्षा को प्रभावी बनाने तथा गौशालाओं को स्वावलंबी बनाने को लेकर विस्तार से मंथन किया गया। बैठक विश्व हिंदू परिषद अखिल भारतीय सह गौ रक्षा प्रमुख केशव राजू जी भाई साहब एवं राजस्थान क्षेत्रीय संगठन मंत्री एवं गौ रक्षा प्रमुख प्रभात शर्मा, जयपुर के सानिध्य में हुई। इसमें जिलेभर से गौ रक्षा, गो सेवा, गो जीव संरक्षण और गौशाला संचालन से जुड़े पदाधिकारियों ने भाग लिया।

अब किसानों को दिया जाएगा प्रशिक्षण

विहिप प्रांत गौ रक्षा प्रमुख रामेश्वर लाल धाकड़ ने बताया कि बैठक में ग्रामीण क्षेत्रों में गौ आधारित गतिविधियों को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया गया। इसके तहत शाहपुरा, फुलिया एवं जहाजपुर क्षेत्र में 100 किसानों के प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने का निर्णय लिया गया। इन प्रशिक्षण शिविरों के माध्यम से किसानों को गोपालन से जुड़ी उपयोगी जानकारी देने के साथ ही गौ आधारित कृषि और पशुपालन को बढ़ावा देने का प्रयास किया जाएगा। बैठक में यह विचार सामने आया कि यदि किसान व्यवस्थित एवं वैज्ञानिक तरीके से गोपालन को अपनाएं तो इससे एक ओर गौ रक्षा को मजबूती मिलेगी, वहीं दूसरी ओर गौशालाओं को भी आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में रास्ता खुल सकता है।

गौ रक्षा के साथ स्वावलंबन पर फोकस

बैठक में गौ रक्षा को केवल संरक्षण तक सीमित रखने के बजाय इसे गोपालन, किसान और गौशाला के स्वावलंबन से जोड़ने पर जोर दिया गया। पदाधिकारियों ने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था में गोवंश की भूमिका को मजबूत करने की जरूरत है। किसानों को प्रशिक्षण देकर गोपालन के प्रति जागरूक किया जाए तो इसका सीधा लाभ गौ संरक्षण अभियान को मिल सकता है। इस दौरान जिला स्तर पर गौ रक्षा से जुड़े कार्यों, गौशालाओं की व्यवस्थाओं तथा गो जीव संरक्षण गतिविधियों को लेकर भी चर्चा की गई।

ढिकोला की गौशाला में जुटे सैकड़ों कार्यकर्ता

बैठक के बाद विहिप के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता श्री राम नंदी गौशाला, ढिकोला पहुंचे। यहां आयोजित कार्यक्रम में सैकड़ों कार्यकर्ता एकत्रित हुए। गौशाला में गौ सेवा एवं गौ रक्षा से जुड़े विषयों पर कार्यकर्ताओं के साथ संवाद किया गया। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल ने अंतरराष्ट्रीय रामस्नेही पीठ के दर्शन किए तथा श्री प्रताप सिंह बारहठ स्मारक संग्रहालय का अवलोकन किया। इसके पश्चात प्रतिनिधिमंडल भीलवाड़ा के नौगांवा स्थित माधव गौशाला अनुसंधान केंद्र में आयोजित बैठक में शामिल होने के लिए रवाना हुआ।

संगठनात्मक विस्तार और प्रशिक्षण पर जोर

लगातार बैठकों और कार्यक्रमों के जरिए विश्व हिंदू परिषद की गौ रक्षा गतिविधियों को ग्रामीण स्तर तक विस्तार देने की कवायद भी दिखाई दी। शाहपुरा, फुलिया और जहाजपुर में प्रस्तावित किसान प्रशिक्षण शिविर इसी अभियान की अगली कड़ी माने जा रहे हैं। बैठक में केंद्रीय सह गौ रक्षा प्रमुख केशव राजू, राजस्थान क्षेत्रीय संगठन मंत्री प्रभात शर्मा, चित्तौड़ प्रांत गौ रक्षा प्रमुख रामेश्वर लाल धाकड़, जिला गौ रक्षा प्रमुख ओमप्रकाश शर्मा, जिला गौशाला प्रमुख मुकेश प्रजापत, विहिप नगर अध्यक्ष भगवान लढ़ा, शंकरलाल शर्मा, बालाजी गो हेल्पलाइन के खुशराज वैष्णव एवं ओमप्रकाश शर्मा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे। ढिकोला से गोपाल पटवारी, सुरेश भाट, लक्ष्मण खारोल, गणपत खटीक, मनीष नायक, राजू नायक, भंवरलाल बलाई, राजकुमार शर्मा सहित प्रबुद्धजन भी कार्यक्रमों में उपस्थित रहे।

कचरा जलाने वालों पर निगम का डंडा, लापरवाह अफसर भी नहीं बचेंगे!

चित्तौड़ रोड पर दो संस्थानों को नोटिस, वार्ड 7-11 में गंदगी मिली तो जमादार-स्वास्थ्य निरीक्षक पर गिरी गाज; 2 सितंबर से 18 वार्डों में 16 टीमें संभालेंगी मोर्चा

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा (महेन्द्र नागौरी) शहर की सफाई व्यवस्था को लेकर नगर निगम ने अब सख्त रुख अपना लिया है। सड़क पर कचरा डालना हो या उसमें आग लगाना, खाली प्लॉट में गंदगी फैलाना हो या सफाई व्यवस्था में लापरवाही–निगम की नजर अब हर स्तर पर है। कार्रवाई की शुरुआत चित्तौड़ रोड से हुई, जहां ओवरब्रिज के पास कचरा डालकर जलाने के मामले में दो संस्थानों को नोटिस थमा दिए गए। नगर निगम आयुक्त कमल सिंह यादव ने बताया कि चित्तौड़ रोड ओवरब्रिज के समीप कचरा डालने और उसमें आग लगाने के मामले में होटल रेडियंस और मारुति सुजुकी चैंपियन कार के विरुद्ध नोटिस जारी किए गए हैं। निगम ने इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक स्थान पर कचरा डालना और जलाना किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

कानून तोड़ा तो भारी जुर्माना, कार्रवाई तय

निगम ने संबंधित संस्थानों को राजस्थान नगर पालिका अधिनियम, 2009 की धारा 232, 267, 297ए तथा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 के प्रावधानों के तहत नोटिस जारी किए हैं। निगम प्रशासन ने चेताया है कि नियमों का उल्लंघन साबित होने पर नियमानुसार दंडात्मक कार्रवाई और भारी जुर्माना लगाया जाएगा।

आयुक्त की अचानक दस्तक, सफाई व्यवस्था की खुली पोल

सख्ती सिर्फ आमजन और संस्थानों तक सीमित नहीं रही। 1 सितंबर को निगम आयुक्त कमल सिंह यादव ने वार्ड 7 और 11 का औचक निरीक्षण कर मौके पर सफाई व्यवस्था की हकीकत परखी। बीटवार सफाई कर्मचारियों की उपस्थिति जांची गई। सड़कों और नालियों में गंदगी मिलने पर आयुक्त ने नाराजगी जताते हुए संबंधित जमादार और स्वास्थ्य निरीक्षक को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।मयूर स्कूल के सामने स्थित कचरा स्टैंड की नियमित सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। निरीक्षण के दौरान स्थानीय लोगों से सीधे सफाई व्यवस्था का फीडबैक लिया गया।

खाली प्लॉट बने कचरे के अड्डे तो मालिकों पर भी कार्रवाई:-

निगम अब खाली भूखंडों पर भी नजर रखेगा। गंदगी फैलाने वाले और अपने भूखंडों की सफाई नहीं रखने वाले प्लॉट मालिकों को चिन्हित कर नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए हैं। साफ संदेश है–शहर को गंदा करने में लापरवाही बरती तो कार्रवाई की जद में जिम्मेदार व्यक्ति भी आएगा।

2 सितंबर से 18 वार्डों में सफाई का महाअभियान:-

इधर, सफाई व्यवस्था को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए 2 सितंबर से दोपहर की पारी में विशेष सफाई अभियान शुरू होगा। इसके लिए 16 विशेष टीमों का गठन किया गया है। पहले चरण में 18 वार्डों को अभियान में शामिल किया गया है। इनमें वार्ड 1, 6, 8, 19, 21, 28, 33, 34, 36, 37, 41, 42, 44, 48, 56, 63, 65 और 66 शामिल हैं। अभियान के दौरान गलियों, सड़कों और सार्वजनिक स्थलों की सघन सफाई के साथ नालियों की सफाई, गाद निकासी और जमा कचरे का तत्काल निस्तारण किया जाएगा।

निगम का संदेश साफ–स्वच्छता में लापरवाही अब नहीं चलेगी:-

नगर निगम की हालिया कार्रवाई से साफ है कि शहर की सफाई व्यवस्था को लेकर प्रशासन अब सिर्फ निर्देश देने के बजाय मौके पर उतरकर कार्रवाई के मूड में है। संस्थानों पर नोटिस, वार्डों में औचक निरीक्षण और लापरवाह कर्मचारियों पर कार्रवाई के निर्देश के बाद 2 सितंबर से शुरू होने वाला विशेष अभियान निगम की इस सख्ती को जमीन पर कितना असरदार बनाता है, यह देखने वाली बात होगी। निगम ने शहरवासियों से भी अपील की है कि कचरा निर्धारित स्थान पर ही डालें और सार्वजनिक स्थानों पर कचरा जलाने से पूरी तरह बचें।

ट्रांसपोर्ट कंपनीज एसोसिएशन की वार्षिक आम सभा सम्पन्न

ट्रांसपोर्ट कंपनीज एसोसिएशन की वार्षिक आम सभा में शंभुपुरा के निरस्त भूखण्डों की बहाली का मुद्दा छाया,तीन माह में चुनाव करवाने पर बनी सहमति

स्मार्ट हलचल

कोटा। ट्रांसपोर्ट कंपनीज एसोसिएशन, कोटा की वार्षिक आम सभा पोरवाल भवन, सुभाष नगर में सफलतापूर्वक आयोजित की गई। इस महत्वपूर्ण बैठक में 120 सदस्यों ने भाग लिया, जिसमें शंभुपुरा ग्रोथ सेंटर में निरस्त किए गए भूखण्डों की बहाली का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। बैठक में संरक्षक जेपी शर्मा,अध्यक्ष मधुसूदन खण्डेवाल,उपाध्यक्ष पंकज बजाज,सचिव प्रमोद कुमार गर्ग, कोषाध्यक्ष दीपक बाहेती सहित अन्य कार्यकारिणी सदस्य भी वरिष्ट सदस्य उपस्थित रहे।

एकजुटता से संघर्ष का आह्वान

सभा में सबसे अहम मुद्दा शंभुपुरा ग्रोथ सेंटर में आवंटित भूखण्डों के निरस्त होने का रहा। अध्यक्ष मधुसूदन खण्डेवाल ने इस समस्या पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए सभी सदस्यों से एकजुट होकर संघर्ष करने का आह्वान किया। वरिष्ठ सदस्यों सोहन लाल जैन,निगम शर्मा,चंद्रशेखर रामचंदानी, मनोज रायका,मुकेश शर्मा, और रमेश विजय ने भी निरस्त भूखण्डों के लिए आंदोलन की आवश्यकता पर बल दिया और सभी ट्रांसपोर्ट सदस्यों को एक झंडे के नीचे संघर्ष करने की वकालत की। राहुल बाहेती ने कानूनी सहायता से सरकार पर दबाव बनने की बात रखी। संस्था की भूखण्ड व कार्यालय के बात मंच से उठी। एसोसिएशन के अध्यक्ष मधुसूदन खण्डेवाल एवं संरक्षक जे.पी. शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा, 'ट्रांसपोर्ट कंपनीज एसोसिएशन वर्ष 1969 से कोटा में कार्यरत है और हर ट्रांसपोर्ट कंपनी के सुख-दुख की साथी रही है। हमारा संगठन एक लोकतांत्रिक संस्था है, जहां पिछले चार कार्यकालों से निरंतर चुनाव के माध्यम से पदाधिकारियों का चयन किया जा रहा है। 'उन्होने कहा आम सहमति के अनुसार आगामी तीन माह के अंदर संस्था के चुनाव करवायें जाएंगे और संस्था सक्रिय सदस्य ही इस चुनाव प्रक्रिया के भागीदार बन सकेंगे।

एसोसिएशन की गतिविधियों की समीक्षा

सचिव प्रमोद कुमार गर्ग ने बताया कि आम सभा का मुख्य उद्देश्य वर्ष भर की गतिविधियों की समीक्षा करना, आगामी योजनाओं पर चर्चा करना तथा सदस्यों से सुझाव प्राप्त करना था। आम सभा में शंभुपुरा ग्रोथ सेंटर के निरस्त भूखण्डों के अलावा, ट्रांसपोर्ट नगर में अतिक्रमण, गंदगी और नाली पठान की समस्याओं पर भी विचार-विमर्श किया गया। अध्यक्ष खण्डेवाल ने बताया कि इन समस्याओं के समाधान पर प्राप्त सुझावों को शीघ्र ही लागू किया जाएगा।

अजनबी से सावधान' का संदेश लेकर स्कूलों में पहुंची कानून की पाठशाला

ट्रांसफॉर्मेटिव ट्यूसडे अभियान में 41 स्कूलों में विधिक शिविर, बच्चों को अपहरण और बाल तस्करी से बचाव की दी जानकारी

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा / बच्चों को अपराधों से बचाने और कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए न्यायपालिका ने स्कूलों में जागरूकता अभियान तेज कर दिया है। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निर्देश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष अभय जैन के निर्देशन में मंगलवार को ट्रांसफॉर्मेटिव ट्यूसडे अभियान के तहत जिले के करीब 41 सरकारी एवं निजी विद्यालयों में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किए गए। शिविरों में बच्चों को 'अजनबी से सावधान–मना करो, दूर जाओ, बताओ' का संदेश देते हुए अपहरण, बहला-फुसलाकर ले जाने और बाल तस्करी जैसे गंभीर अपराधों से बचाव के तरीके बताए गए। बच्चों को अनजान लोगों के लालच या बहकावे में नहीं आने तथा किसी भी संदिग्ध परिस्थिति में तत्काल

अभिभावक, शिक्षक या विश्वसनीय व्यक्ति को सूचना देने के लिए प्रेरित किया गया। जिला मुख्यालय पर पवन कुमार सिंघल (न्यायाधीश, एसीडी कोर्ट), महेन्द्र कुमार ढाबी (न्यायाधीश, पारिवारिक न्यायालय-1), बुजेश पंवार (न्यायाधीश, पारिवारिक न्यायालय-2), नवीन चौधरी (न्यायाधीश, एमएसीटी कोर्ट-1), उपेन्द्र शर्मा (न्यायाधीश, एनडीपीएस न्यायालय), रेखा वाधवा (न्यायाधीश, पोक्सो न्यायालय-1), प्रहलादराय शर्मा (न्यायाधीश, पोक्सो न्यायालय-2), मीना अग्रवाल (न्यायाधीश, वाणिज्य न्यायालय), अमित कुमार (अपर जिला न्यायाधीश-1), नगेन्द्र सिंह (न्यायाधीश, अपर जिला न्यायाधीश-2), नीलेश सिंह चौधरी (विशेष न्यायाधीश, एससी/एसटी प्रकरण) तथा रिचा चौधरी (अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, महिला अत्याचार प्रकरण) सहित न्यायिक अधिकारियों ने विधिक जागरूकता शिविरों का आयोजन किया। ट्रांसफॉर्मेटिव ट्यूसडे अभियान के तहत भीलवाड़ा न्याय क्षेत्र में हर माह प्रथम एवं तृतीय मंगलवार को अलग-अलग कानूनी विषयों पर ऐसे शिविर नियमित रूप से आयोजित किए जा रहे हैं।

संदेश साफ–सतर्क बच्चा, सुरक्षित बचपन और कानून की जानकारी बनेगी सुरक्षा की मजबूत ढाल।

चौथी बार भी गोपाल लाल धाकड़ पर जताया भरोसा, बेगूं खंड की कमान फिर सौंपी

स्मार्ट हलचल

बेगूं । अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ खंड बेगू की साधारण सभा बैठक का आयोजन हुआ। बैठक रविवार को महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय छापरा बेगू में प्रवासी कार्यकर्ता कमलेश कुमार धाकड़ जिला सचिव माध्यमिक के मुख्य आतिथ्य में एवं खंड अध्यक्ष गोपाल लाल धाकड़ की अध्यक्षता में आयोजित हुई। इस बैठक मे आगामी कार्य योजना पर विचार,नवीन कार्यकारिणी का गठन और संगठन का परिचय आदि सत्रों का आयोजन हुआ। प्रथम सत्र में प्रवासी कार्यकर्ता कमलेश कुमार धाकड़ द्वारा संगठन का विस्तृत परिचय एवं एवं उसकी रीति नीति के बारे में अवगत कराया तत्पश्चात खंड अध्यक्ष गोपाल लाल धाकड़ ने वर्तमान कार्यकारिणी को भंग करने की घोषणा की वह प्रवासी कार्यकर्ता द्वारा नवीन कार्यकारिणी के प्रमुख पांच नाम की घोषणा की गई। जिसमें अध्यक्ष गोपाल लाल धाकड़, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मदनलाल राठौड,उपाध्यक्ष महिला आशा रानी बैरागी, मंत्री रमेश

चंद्र रेगर ,कोषाध्यक्ष मुकेश कुमार धाकड़ के नाम की घोषणा की गई। द्वितीय सत्र में जिला उपाध्यक्ष हमीर सिंह राजपूत द्वारा संगठन में कार्यकर्ता निर्माण कैसे किया जाता है एवं एक कार्यकर्ता किस तरह संगठन को उच्च स्तर तक पहुँचाने में सक्षम कैसे बने इस पर विस्तृत जानकारी दी गई। इसके पश्चात खंड कार्यकारिणी के अन्य पदों का मनोनयन कर उनकी घोषणा की गई। संगठन मंत्री शंभूलाल कुमावत,संगठन सहमंत्री ओम प्रकाश गुर्जर,रामपाल मीणा,सुरेश चंद्र शर्मा,कविता सिंधी,उपाध्यक्ष पुरुष शिवराज गोस्वामी,महिला मंत्री मीना सेन,अध्यापक सदस्य पूरणमल मीणा,वरिष्ठ अध्यापक सदस्य बंसीलाल सालवी,प्राध्यापक सदस्य गोपाल लाल धाकड़,प्रधानाचार्य सदस्य नंदलाल कुमावत,शारीरिक शिक्षक सदस्य सुभाष चंद्र पंचोली , महिला शिक्षक सदस्य संतोष कुमावत ,संस्कृत शिक्षक सदस्य बालकिशन गुरुजी,सुरेश कुमार गुर्जर, सत्तार शेख मोहम्मद, शांतिलाल धाकड़ आदि शिक्षक उपस्थित रहे।

पीपलू निकाय चुनाव: 9 नामांकन फॉर्म निरस्त, अब 87 प्रत्याशी मैदान में

स्मार्ट हलचल

पीपलू(नरेश कुरेडा)। नगर निकाय चुनाव को लेकर नामांकन पत्रों की जांच प्रक्रिया पूरी हो गई है। नामांकन पत्रों की जांच के दौरान कुल 96 नामांकन पत्रों में से 9 नामांकन फॉर्म निरस्त कर दिए गए हैं। नामांकन पत्रों की जांच के बाद अब 87 उम्मीदवार चुनावी मैदान में शेष रह गए हैं। इसके साथ ही पीपलू निकाय चुनाव की राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। प्रत्याशियों और समर्थकों में चुनाव को लेकर उत्साह बना हुआ है। अब सभी की नजर नाम वापसी की प्रक्रिया पर टिकी हुई है, जिसके बाद पीपलू निकाय चुनाव की अंतिम तस्वीर और प्रत्याशियों के बीच होने वाला मुकाबला पूरी तरह साफ हो जाएगा।

निकाय चुनाव में टिकट वितरण के बाद भाजपा-कांग्रेस में विरोध के स्वर तेज

डैमेज कंट्रोल की रणनीति पर टिकी दोनों दलों की चुनावी संभावनाएं, 14 सितंबर को परिणामों से खुलेगा जनता का फैसला...

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार खींची ब्यावर। नगर निकाय चुनाव में भाजपा और कांग्रेस की ओर से प्रत्याशियों की घोषणा के बाद दोनों ही प्रमुख राजनीतिक दलों में असंतोष और विरोध के स्वर सामने आने लगे हैं। टिकट वितरण के बाद कार्यकर्ताओं एवं दावेदारों के बीच उपजे विरोध को लेकर अब दोनों दलों के सामने डैमेज कंट्रोल की चुनौती खड़ी हो गई है। सोशल मीडिया से लेकर वार्डों और चुनावी मैदान तक टिकटों को लेकर चर्चाओं का दौर जारी है। स्थानीय राजनीतिक विश्लेषक विजेन्द्र प्रजापति 'जॉली' के अनुसार, चुनाव में टिकट वितरण के बाद उठे विरोध के वास्तविक असर का पता 14 सितंबर को सामने आने वाले परिणामों से होगा। उन्होंने अपने राजनीतिक विश्लेषण में कहा कि जिस दल का डैमेज कंट्रोल मजबूत रहेगा, उसे चुनावी मैदान में इसका लाभ मिल सकता है।

भाजपा में विधायक रावत के रणनीतिक प्रभाव की चर्चा

भाजपा के टिकट वितरण को लेकर विधायक शंकरसिंह रावत की रणनीतिक भूमिका को लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं हैं। विश्लेषण के अनुसार, टिकट वितरण में विधायक रावत का प्रभाव प्रमुख

रूप से दिखाई दिया है। वहीं भाजपा जिलाध्यक्ष आशीष सांड की भूमिका को लेकर भी राजनीतिक हलकों में अलग-अलग चर्चाएं सामने आ रही हैं। टिकट वितरण के बाद कुछ वार्डों में पार्टी के भीतर असंतोष की स्थिति बनी है। ऐसे में अब पार्टी नेतृत्व के सामने बागी दावेदारों और नाराज कार्यकर्ताओं को साधने की चुनौती है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि विधायक रावत के सामने अपने अनुभव और संगठनात्मक रणनीति के जरिए असंतोष को नियंत्रित कर पार्टी प्रत्याशियों के पक्ष में माहौल बनाने की बड़ी जिम्मेदारी होगी।

कांग्रेस में टिकट चयन को लेकर उठे सवाल

वहीं कांग्रेस में भी टिकट वितरण के बाद कुछ वार्डों में विरोध के स्वर तेज हुए हैं। राजनीतिक विश्लेषण में कांग्रेस की टिकट प्रक्रिया को लेकर जिलाध्यक्ष किशोर चौधरी, ब्लॉक अध्यक्ष अजय शर्मा और आशिषपाल पदावत सहित अन्य स्थानीय नेताओं की भूमिका का उल्लेख किया गया है। टिकट वितरण से पहले कांग्रेस कार्यकर्ताओं में दिखाई दे रहे अनुशासन और एकजुटता को लेकर सकारात्मक माहौल था, लेकिन प्रत्याशियों की सूची सामने आने के बाद कुछ स्थानों पर असंतोष खुलकर सामने आया। कई दावेदारों और समर्थकों द्वारा टिकट चयन पर सवाल उठाए जाने की चर्चा है।

जिताऊ प्रत्याशी की जगह दूसरे नामों को लेकर नाराजगी

कांग्रेस के कुछ वार्डों में पार्टी पैनल में शामिल संभावित जिताऊ प्रत्याशियों को टिकट नहीं मिलने और अन्य नामों को प्राथमिकता दिए जाने को लेकर

कार्यकर्ताओं में नाराजगी की बात सामने आ रही है। पार्टी के भीतर यह चर्चा भी है कि कुछ वार्डों में स्थानीय स्तर पर मजबूत दावेदारों की अनदेखी चुनावी समीकरणों को प्रभावित कर सकती है। राजनीतिक विश्लेषण में यह सवाल भी उठाया गया है कि यदि पैनल में मजबूत प्रत्याशी उपलब्ध थे तो कुछ वार्डों में बाहरी अथवा अपेक्षाकृत नए चेहरों को मौका देने के पीछे क्या रणनीति रही। हालांकि इन दावों पर कांग्रेस की ओर से आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

एक-एक वोट और एक-एक वार्ड महत्वपूर्ण

ब्यावर नगर परिषद के 60 वार्डों में होने वाले चुनाव में बहुमत हासिल करने के लिए प्रत्येक वार्ड महत्वपूर्ण है। ऐसे में टिकट वितरण से उपजे असंतोष को समय रहते नियंत्रित करना दोनों दलों के लिए जरूरी माना जा रहा है। बागी प्रत्याशियों का मैदान में उतरना अथवा नाराज कार्यकर्ताओं का निष्क्रिय होना किसी भी पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी के समीकरण बिगाड़ सकता है। अब चुनावी मुकाबला केवल प्रत्याशियों के बीच ही नहीं, बल्कि दोनों दलों के डैमेज कंट्रोल मैनेजमेंट की भी परीक्षा बन गया है। आगामी दिनों में कौन-सा दल अपने असंतुष्ट कार्यकर्ताओं को मनाने और बागियों को नियंत्रित करने में सफल रहता है, इसका सीधा असर चुनाव परिणामों पर पड़ सकता है। 14 सितंबर को आने वाले वार्डवार परिणाम और 21 सितंबर को सामने आने वाला राजनीतिक परिदृश्य ब्यावर की स्थानीय राजनीति में टिकट वितरण के फैसलों और दोनों प्रमुख दलों की रणनीति की वास्तविक परीक्षा माने जा रहे हैं।

संसार के वैभव का त्याग कर संयम पथ पर बढ़ेंगे मुमुक्षु शुभम

श्रीमाल पाली में हुआ अभिनंदन समारोह, 4 सितंबर को बीकानेर में लेंगे दीक्षा

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार खींची ब्यावर। आचार्य श्री रामेश एवं उपाध्याय श्री राजेश मुनि महाराज की महती कृपा से ब्यावर निवासी मुमुक्षु भाई शुभम श्रीश्रीमाल संसार के समस्त वैभव का त्याग कर 4 सितंबर को बीकानेर में संयम पथ पर आगे बढ़ेंगे। दीक्षा से पूर्व मंगलवार को पाली में उनका अभिनंदन एवं बहुमान समारोह आयोजित किया गया। अहिंसा प्रचारक महेश नाहटा ने बताया कि मंगलवार सुबह प्रवचन के पश्चात समता भवन से बड़घोड़ा प्रारंभ हुआ, जो विभिन्न मार्गों से होते हुए नोलखा जैन मंदिर पाली पहुंचा। मंदिर स्थित स्वाध्याय हॉल में आयोजित अभिनंदन समारोह में साधुमार्गी जैन संघ ब्यावर के अध्यक्ष गौतमचंद चौधरी, महामंत्री धर्मीचंद औस्तवाल, कोषाध्यक्ष निहालचंद कोठारी, मंत्री कैलाश खींचा, सहमंत्री नोरतमल बाबेल तथा समता युवा संघ अध्यक्ष अंकुश बोहरा ने मुमुक्षु शुभम श्रीश्रीमाल का माला एवं शॉल पहनाकर अभिनंदन किया तथा अभिनंदन पत्र भेंट किया। इससे पूर्व समता भवन पाली में शासन दीपक श्री श्रुतप्रभु मुनि महाराज ने प्रवचन में कहा कि व्यक्ति को अपने भविष्य के निर्माण के लिए आत्मस्वरूप को जानने का लक्ष्य रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि संसार के धन और भोगों की आसक्ति को समझना जरूरी है। 'एक बात मन में रट लो–त्याग में सुख है।' उन्होंने कहा कि संयम में ही वास्तविक भविष्य है और जितना समय आसक्तियों में बीतेगा, उतनी ही देर संयम के मार्ग पर आने में होगी। मुनि महाराज ने दीक्षा के अवसर पर संकल्प लेने का आह्वान करते हुए कहा कि 'मेरा एक चातुर्मास गुरुदेव के साथ हो' यह भावना मन में रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि संयम जितना शीघ्र आएगा, संसार से उतना ही शीघ्र मोह छूटेगा। इस दौरान भजन के माध्यम से 'यह संसार दुःखों में उलझ रहा, वैरागी बनूं...' का संदेश दिया गया। अहिंसा प्रचारक महेश नाहटा ने कहा कि पाली संघ को मिला यह चातुर्मास इतिहास बनने जा रहा है। उन्होंने संघ से विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में व्यसन मुक्ति के कार्यक्रम आयोजित करने का आह्वान किया। वहीं ब्यावर संघ अध्यक्ष गौतमचंद चौधरी ने भजन के माध्यम से 'गुरु आज्ञा में चलना, न करना मनमानी' का संदेश दिया। समारोह में ब्यावर से उत्तम श्रीश्रीमाल, वीर पिता अशोक कोठारी, प्रकाशचंद रांका, अनिल श्रीश्रीमाल, भागचंद श्रीश्रीमाल, अशोक खाबिया जेठाना सहित पाली श्री साधुमार्गी जैन संघ के मोहनलाल तालेसरा, अध्यक्ष संपत राज देढ़िया, पदमचंद लोढ़ा, अशोक श्रीश्रीमाल, ज्ञानचंद श्रीश्रीमाल, प्रतापगढ़ से वीर पिता अशोक चीपड़ तथा जोधपुर श्री संघ से भागचंद सिंघवी, नेमीचंद पारख, गुलाबचंद चोपड़ा सहित समाजजन उपस्थित रहे।

कोटा विश्वविद्यालय में 80 अंतरमहाविद्यालयी खेल प्रतियोगिताएं, 22 खेलों को मिला नियमित दर्जा

अक्टूबर में होगी अखिल भारतीय अंतरविश्वविद्यालयी मलखंब प्रतियोगिता, 100 से अधिक विश्वविद्यालयों की टीमें लेंगी भाग

खेल प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच दिलाना विश्वविद्यालय की प्राथमिकता : कुलगुरु प्रो. बी.पी. सारस्वत

स्मार्ट हलचल

कोटा / विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के दौरान खेल गतिविधियों का व्यापक कैलेंडर जारी किया गया है। विश्वविद्यालय में महिला एवं पुरुष वर्ग की कुल 80 अंतरमहाविद्यालयी खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इन प्रतियोगिताओं में 43 विभिन्न खेलों में छात्र-छात्राएं अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।मंगलवार को कुलगुरु प्रो. बी.पी. सारस्वत ने विश्वविद्यालय के खेल कैलेंडर का विमोचन किया। इस अवसर पर खेल मण्डल सचिव डॉ. विजय सिंह, प्रो. घनश्याम शर्मा, प्रो. रीना दाधीच एवं डॉ. अमित सिंह राठौड़ उपस्थित रहे।

खेलों को बढ़ावा देना विश्वविद्यालय की प्राथमिकता : कुलगुरु

कुलगुरु प्रो. बी.पी. सारस्वत ने कहा कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। कोटा विश्वविद्यालय का प्रयास है कि खिलाड़ियों को बेहतर मंच, संसाधन और पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने कहा कि 22 सेल्फ फाइनेंस खेलों को नियमित खेलों की श्रेणी में शामिल करने से अधिक विद्यार्थियों को अपनी खेल प्रतिभा निखारने का अवसर मिलेगा। विश्वविद्यालय इन खेलों को आवश्यक वित्तीय सहयोग प्रदान कर खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए बेहतर ढंग से तैयार करेगा। खेल मण्डल सचिव डॉ. विजय सिंह ने बताया कि अंतरमहाविद्यालयी खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन 15 सितम्बर से 15 दिसम्बर 2026 तक किया जाएगा। लगभग तीन माह तक चलने वाली इन प्रतियोगिताओं में कोटा विश्वविद्यालय से संबद्ध करीब 240 महाविद्यालयों एवं संस्थानों के नियमित विद्यार्थी भाग ले सकेंगे। प्रतियोगिताओं के आयोजन में छह जिलों के लगभग 20 महाविद्यालय एवं संस्थान सहयोग करेंगे। खेल कैलेंडर में हैंडबॉल, शतरंज, मलखंब, कबड्डी, तीरंदाजी, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, रग्बी, ताइक्वांडो, गतका, कराटे, योग, बेसबॉल, मुक्केबाजी, हॉकी, सॉफ्टबॉल, स्क्वैश और जिम्नास्टिक सहित 43 खेलों को शामिल किया गया है। इन खेलों में महिला एवं पुरुष वर्ग के खिलाड़ी विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेंगे।इन खेलों की विजेता टीमें खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स, ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स तथा इंटर-जोन प्रतियोगिताओं में कोटा विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करेंगी।

अक्टूबर में होगी अखिल भारतीय मलखंब प्रतियोगिता

सत्र 2026-27 में कोटा विश्वविद्यालय को भारतीय विश्वविद्यालय संघ द्वारा पुरुष वर्ग की अखिल भारतीय अंतरविश्वविद्यालयी मलखंब प्रतियोगिता के आयोजन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता अक्टूबर 2026 के अंत में आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता में देशभर के 100 से अधिक विश्वविद्यालयों की टीमों के भाग लेने की संभावना है, जिसमें लगभग 600 खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। इन खेलो में विजेता टीमो खेला इण्डिया यूनवसिर्टी गेम्स,ऑल इण्डिया यूनिवर्सिटी गेम्स,इंटर जोन गेम्स,में कोटा यूनिवर्सिटी का प्रतिनिधित्व करेंगे। मंगलवाल को खेल कलैण्डर का विमोचन कुलगुरू प्रो.बी.पी. सारस्वत ने किया वहीं इस अवसर खेल मण्डल सचिव डा.विजय सिंह,प्रो धनश्याम शर्मा,प्रो.रीना दाधीच,डॉ. अमित सिंह राठौड़ उपस्थिन रहे।

22 खेलों को मिला नियमित खेलों का दर्जा

कुलगुरु प्रो. बी.पी. सारस्वत के सहयोग एवं मार्गदर्शन में 22 सेल्फ फाइनेंस खेलों को नियमित खेलों की श्रेणी में शामिल किया गया है। इस निर्णय से इन खेलों को प्रोत्साहन मिलेगा और खिलाड़ियों को प्रतियोगिताओं में भागीदारी के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। साथ ही विश्वविद्यालय इन खेल गतिविधियों के लिए वित्तीय सहयोग भी उपलब्ध कराएगा।

गत सत्र में जीते 123 पदक,45 लाख रुपये की पुरस्कार राशि

गत सत्र 2025-26 में कोटा विश्वविद्यालय के लगभग 650 महिला एवं पुरुष विद्यार्थियों ने विभिन्न अंतरविश्वविद्यालयी एवं अखिल भारतीय अंतरविश्वविद्यालयी खेल प्रतियोगिताओं में भाग लिया। विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों ने सात खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कुल 123 स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक अर्जित किए। विगत चार सत्रों, 2021-22 से 2024-25 तक के पदक विजेता खिलाड़ियों एवं अधिकारियों को लगभग 45 लाख रुपये की पुरस्कार राशि जारी की जा चुकी है। यह राशि संबंधित पदक विजेता खिलाड़ियों और ऑफिशियल्स के बैंक खातों में जमा कराई जा चुकी है।

सोशल मीडिया पर अस्पताल के बाहर धरने का वीडियो वायरल होने के बाद अस्पताल संचालक ने सुरक्षा हेतु उपखंड अधिकारी के नाम थानाधिकारी और पुलिस उप अधीक्षक को ज्ञापन दिया

स्मार्ट हलचल /रणवीर सिंह चौहान भवानी मंडी

भवानी मंडी निजी अस्पताल एसके हॉस्पिटल के बारे में सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल होने के बाद अस्पताल संचालक ने भवानी मंडी उपखंड अधिकारी के नाम थानाधिकारी तथा पुलिस उपाधीक्षक को अस्पताल की सुरक्षा हेतु ज्ञापन सोपा ज्ञापन में डॉ. इकबाल खान, ने बताया कि मैं भवानी मंडी का निवासी एवं सभ्य नागरिक हूँ तथा एसके हॉस्पिटल भवानी मंडी के नाम से अस्पताल संचालित करता हूँ। यह कि आज मुझे वीडियो के माध्यम से जानकारी प्राप्त हुई है कि चांदखेड़ी निवासी बालूराम मेहर के परिजन एवं उनके कुछ साथी सोशल मीडिया/वीडियो के माध्यम से दिनांक 3 सितंबर को मेरे अस्पताल के समक्ष धरना-प्रदर्शन करने का संदेश/आह्वान प्रसारित कर रहे हैं। उक्त परिस्थितियों को देखते हुए मुझे आशंका है कि उक्त व्यक्तियों द्वारा धरना-प्रदर्शन के दौरान अस्पताल में विवाद, मारपीट, तोड़फोड़ अथवा अन्य अप्रिय घटना की जा सकती है, जिससे अस्पताल में भर्ती मरीजों, उनके परिजनों, अस्पताल के स्टाफ तथा मेरी व्यक्तिगत सुरक्षा को गंभीर खतरा उत्पन्न हो सकता है। ज्ञापन में उन्होंने अधिकारियों से निवेदन है कि उक्त मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित व्यक्तियों को पाबंद किया जाए तथा दिनांक 3 सितंबर को प्रस्तावित धरना-प्रदर्शन, अस्पताल में प्रवेश, मारपीट, तोड़फोड़ अथवा किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोकने हेतु आवश्यक पुलिस सुरक्षा एवं प्री सुरक्षा दी जाए साथ ही मेरे एवं एसके हॉस्पिटल की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक पुलिस व्यवस्था करने की कृपा करें, ताकि अस्पताल में उपचाररत मरीजों एवं स्टाफ को किसी प्रकार की परेशानी न हो तथा कानून-व्यवस्था बनी रहे। ज्ञापन देते समय शहर के अन्य डॉक्टर भी उपस्थित थे

कृषि पर्यवेक्षक संगठन ने सहायक निदेशक कृषि विस्तार को सौंपा ज्ञापन-आंदोलन की चेतावनी,

विभिन्न मांगों को लेकर प्रदेश संगठन ने तय किए आंदोलन के चरण, 8 सितंबर से गैर-कृषि कार्यों व खरीफ क्रॉप कटिंग के बहिष्कार का ऐलान

स्मार्ट हलचल

टोंक। कृषि पर्यवेक्षक संगठन संयुक्त समन्वय समिति प्रदेश संगठन की ओर से सोमवार, 31 अगस्त 2026 को कृषि विस्तार विभाग के सहायक निदेशक कार्यालय टोंक में ज्ञापन सौंपा गया। संगठन पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों ने ज्ञापन के माध्यम से अपनी विभिन्न मांगों से अवगत कराया तथा आगामी आंदोलन के चरणों की जानकारी दी। संगठन के टोंक जिलाध्यक्ष लडडू लाल मीणा (उखलाना) ने जानकारी देते हुए बताया कि मांगों के समाधान को लेकर प्रदेश संगठन के निर्णयानुसार 1 सितंबर 2026 से आंदोलन की चेतावनी दी गई है। आंदोलन के तहत विभिन्न चरणों में विभागीय अधिकारियों को ज्ञापन सौंपने के साथ कर्मचारियों द्वारा असहयोगात्मक कदम उठाए जाएंगे।

31 अगस्त को सौंपा ज्ञापन

ज्ञापन में बताया गया कि 31 अगस्त 2026 को पूरे प्रदेश में सहायक निदेशक कृषि विस्तार कार्यालयों में ज्ञापन दिया गया। इसी क्रम में टोंक में भी संगठन के पदाधिकारी एवं कर्मचारी कृषि विस्तार विभाग के कार्यालय पहुंचे और ज्ञापन सौंपकर अपनी मांगों से अवगत कराया।

1 सितंबर से व्हाट्सएप ग्रुप से लेफ्ट होने का निर्णय

संगठन की ओर से जारी आंदोलन कार्यक्रम के अनुसार 1 सितंबर 2026 से सभी कार्मिक सरकारी व्हाट्सएप ग्रुप से लेफ्ट होंगे। इसके बाद 2 सितंबर को जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा जाएगा। वहीं आंदोलन के अगले चरण में 8 सितंबर 2026 से गैर-कृषि कार्यों, उद्यान विभाग के कार्यों तथा खरीफ क्रॉप कटिंग का बहिष्कार करने का निर्णय लिया गया है।

संगठन के पदाधिकारी रहे मौजूद

इस दौरान कृषि पर्यवेक्षक संगठन के टोंक जिलाध्यक्ष लड्डू लाल मीणा, ब्लॉक अध्यक्ष सुनीता मीणा, कन्हैयालाल नामा, दुर्गा शंकर माली सहित संगठन के अन्य पदाधिकारी एवं स्टाफ साथी मौजूद रहे। संगठन पदाधिकारियों ने कहा कि कर्मचारियों की मांगों के समाधान को लेकर प्रदेश संगठन द्वारा चरणबद्ध आंदोलन का निर्णय लिया गया है। यदि समय रहते मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को आगे और व्यापक किया जा सकता है।

सैनिकों की शहादत से ही देश की सीमाएं सुरक्षित

शहीद लखू सिंह राठौड़ की 37वीं पुण्यतिथि पर घांघू ग्रामवासियों ने दी अमर शहीद को पुष्पांजलि

स्मार्ट हलचल

सादुलपुर / घांघू गांव में सोमवार को शहीद सैनिक हवलदार लखूसिंह राठौड़ की 37वीं पुण्यतिथि पर ग्रामवासियों ने शहीद लखू सि ह के स्मारक पर पहुंचकर शहीद को पुष्पांजलि अर्पित क र नमन किया। इस दौरान भारत माता की जय, शहीद लखू सिंह अमर रहे, देश के अमर शहीद अमर रहें के जयघोष से वातावरण देशभक्ति मयहो गया। शहीद स्मारक पर आयोजित पुष्पांजलि कार्यक्रम में समाजसेवी परमेश्वर लाल दर्जी ने कहा कि हमें शहीदों और देश की सेना का सदैव सम्मान करना चाहिए। शहीदों की शहादत के बदौलत ही हमारे देश की सीमाएं सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा की शहीदों के अमर बलिदान से युवा पीढ़ी को देशप्रेम की प्रेरणा लेकर देश सेवा के लिए तैयार रहना चाहिए। सामाजिक कार्यकर्ता बीरबल नोखवाल ने बताया कि शहीद हवलदार लखू सिंह राठौड़ भारतीय सेना की पैराशूट 10 रेजीमेंट के पैरा कमांडो हवलदार थे। भारत सरकार द्वारा श्रीलंका में भेजी गई शांति सेना में ऑपरेशन पवन में शामिल थे। 31 अगस्त 1989 को लिट्टे के उग्रवादियों ने पैदल शांति सेना के सैनिकों पर घात लगाकर हमला किया। इस दौरान शहीद लखू सिंह बहादुरी के साथ उग्रवादियों से भिड़े और वहां के लोगों सहित शांति सेना के कमांडिंग ऑफिसर व सैनिकों की सुरक्षा करते हुए सीने में गोलियां झेलते हुए देश सेवा में शहीद हो गए। शहीद सैनिक हवलदार लखू सिंह राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय घांघू के स्टाफ एवं छात्राओं ने भी रैली के रूप में शहीद स्मारक पर पहुंच कर शहीद को पुष्पांजलि अर्पित की। इस मौके पर शिक्षाविद मुरारीलाल बाटू, न्यू राजस्थान स्कूल घांघू के प्रधानाचार्य संजीव कुमार कस्वां, अनिल कुमार जांगिड़, सुनील जांगिड़, रत्न सिंह तंवर, हरीश दर्जी,विकास रेवाड़, दीपाराम, प्रभुदयाल, मंगलचंद, महेंद्र कुमार, रमेश कुमार सहित ग्रामवासियों ने शहीद को पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया।

न्यूज ब्रीफ

प्रत्यक्ष आवंटन योजना में निवेशकों का लगातार बढ़ रहा रूझान, 13वें चरण में 242 भूखण्डों के लिये 954 आवेदन प्राप्त

जयपुर(नि.सं.)। राजस्थान में औद्योगिक निवेश को गति देने और देश-विदेश के निवेशकों को आकर्षित करने की दिशा में रीको की प्रत्यक्ष आवंटन योजना-2025 लगातार सफलता के नए आयाम स्थापित कर रही है। योजना के 13वें चरण में निवेशकों का उत्साह एक बार फिर देखने को मिला है। रीको को 242 भूखण्डों के लिए 954 ऑनलाइन आवेदन प्राप्त हुए हैं, जो राज्य में औद्योगिक निवेश के प्रति बढ़ते विश्वास का प्रमाण है। इन भूखण्डों का कुल क्षेत्रफल लगभग 152 एकड़ है तथा इनका अनुमानित मूल्य करीब 311 करोड़ रुपये है। जिन भूखण्डों पर एक से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं, उनके आवंटन के लिए दिनांक 01 सितंबर, 2026 को ई-लॉटरी आयोजित की जाएगी।

आबकारी आयुक्त के निर्देशन में अवैध मदिरा पर कार्रवाई, वॉश एवं भट्टियां नष्ट

जयपुर(नि.सं.)। आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देशानुसार प्रदेश में निकाय चुनाव आदर्श आचार संहिता के तहत अवैध मदिरा निर्माण, भण्डारण, परिवहन एवं विक्रय पर रोकथाम के लिए जारी निरोधात्मक गतिविधियों के तहत नाकाबंदी, गश्त, दबिश की प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। प्रदेश के विभिन्न जिलों में अवैध मदिरा जब्त करते हुए हजारों लीटर वॉश नष्ट कर अभियोग दर्ज किए। आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देशन में जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए अन्य राज्य की शराब की तस्करी, अवैध मदिरा के निर्माण, परिवहन व विक्रय पर आबकारी निरोधक टीमों द्वारा प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। भीलवाड़ा में आबकारी दल द्वारा आरपीएफ के साथ संयुक्त कार्रवाई में 74 पव्वे रॉयल चेलेंज व्हीस्की के बरामद कर अभियोग दर्ज किया। डीग में दबिश कार्रवाई के तहत 5 हजार लीटर वॉश नष्ट किया गया साथ ही एक मोटरसाईकल से 207 लीटर अवैध मदिरा बरामद कर अभियुक्त को गिरफ्तार किया।

कांग्रेस चुनाव में चलाएगी GenZ for Change कैंपेन

जयपुर। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स डिपार्टमेंट ने युवाओं को जोड़ने के लिए GenZ for Change कैंपेन शुरू किया है। नगर निकाय और पंचायत चुनाव को लेकर प्रदेश स्तर पर प्रोफेशनल Gen-Z कमेटी बनाई गई है। कमेटी की घोषणा विभाग के प्रदेश चेयरमैन सुमित भगासरा ने की। सुमित भगासलरा ने बताया- कांग्रेस का फोकस कॉलेज और यूनिवर्सिटी के युवाओं से सीधे संवाद करने पर रहेगा।

उच्च न्यायालय के निर्देशों की बिंदुवार अनुपालना और तकनीकी रिपोर्टों पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश

राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर भवन के संरचनात्मक पुनर्वास कार्य समयबद्ध रूप से पूर्ण करें : मुख्य सचिव

जयपुर(नि.सं.)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने शासन सचिवालय में राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर भवन के संरचनात्मक पुनर्वास एवं सुरक्षा संबंधी कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को सभी कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता से समयबद्ध रूप से पूरा करने तथा उच्च न्यायालय के निर्देशों की बिंदुवार अनुपालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने आगामी सुनवाई के दृष्टिगत सभी संबंधित विभागों को समन्वय के साथ तथ्यात्मक एवं अद्यतन प्रगति रिपोर्ट तैयार रखने को कहा। मुख्य सचिव ने कहा कि भवन की संरचनात्मक सुरक्षा से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाए। उन्होंने आईआईटी, बॉम्बे की विस्तृत तकनीकी रिपोर्ट शीघ्र प्राप्त कर उसके आधार पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने भवन के निर्माण पर हुए व्यय तथा निर्माण के दौरान रही कमियों की भी समीक्षा करते हुए कहा कि पूरे प्रकरण में जवाबदेही तय की जाए और जहां आवश्यक हो, अनुशासनात्मक कार्रवाई को समयबद्ध रूप से आगे बढ़ाया जाए। उन्होंने सार्वजनिक निर्माण विभाग को उत्तरदायित्व निर्धारण की प्रक्रिया प्रभावी ढंग से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। श्रीनिवास ने तकनीकी विशेषज्ञों द्वारा अब तक किए गए परीक्षणों एवं उनके निष्कर्षों की जानकारी लेते हुए लंबित तकनीकी रिपोर्टों को शीघ्र प्राप्त कर उन पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। बैठक में 17 अगस्त को दिए गए निर्देशों की अनुपालना एवं एक्शन टेकन रिपोर्ट की भी समीक्षा की गई। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में इस संबंध में यह तीसरी समीक्षा बैठक थी।

सैम पित्रोदा ने साधा निशाना

पित्रोदा बोले-गरीब-दलित, अल्पसंख्यकों की बात करना दिमागी नक्सल नहीं

मुस्लिम-ईसाई, यहूदी और बौद्धों से पूछिए भारत में कैसा महसूस करते हैं

नई दिल्ली(एजेंसी)। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के चेयरमैन सैम पित्रोदा ने पीएम मोदी, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत और केंद्र सरकार पर कई मुद्दों को लेकर निशाना साधा। उन्होंने प्रधानमंत्री के 'दिमागी नक्सल' वाले बयान पर कहा कि गरीबों, दलितों और अल्पसंख्यकों के पक्ष में बोलना नक्सलवाद या कम्युनिज्म नहीं है। पित्रोदा ने कहा कि इंसानियत को हर चीज से ऊपर रखना चाहिए और सभी लोग एक ही जगह से आए हैं। वहीं, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के बयान पर उन्होंने कहा कि मुस्लिम, ईसाई, बौद्ध और यहूदी लोगों से पूछना चाहिए कि वे आज भारत में कैसा महसूस करते हैं। दरअसल, 15 अगस्त के भाषण में मोदी ने कहा था कि देश से नक्सलवाद खत्म हो गया, लेकिन दिमागी नक्सल अभी भी मौजूद हैं।

भागवत के बयान पर: सिर्फ यह कहना काफी नहीं है कि मुस्लिम, ईसाई, यहूदी और बौद्ध का सम्मान किया जाता है। अगर व्यवहार में इसके उलट होता है तो कथनी और करनी में अंतर दिखाई देता है। किसी के बारे में कही गई बातों से ज्यादा महत्वपूर्ण उसके साथ किया जाने वाला व्यवहार है। वास्तविक स्थिति समझने के लिए लोगों के अनुभवों को देखना जरूरी है।

NCLT ने सुभाष चंद्रा को मिले 99.97 प्रतिशत डेट हेयरकट के फैसले पर लगाई रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) ने मंगलवार को एस्सल ग्रुप के संस्थापक सुभाष चंद्रा के व्यक्तिगत दिवालियापन के मामले में दिए अपने पहले के फैसले पर रोक लगा दी है और मामले को फिर से सुनने का फैसला किया है। जस्टिस (रिटायर्ड) अनूपिंदर सिंह ग्रेवाल के नेतृत्व वाली एनसीएलटी की पांच सदस्यों वाली बेंच ने कहा कि 25 अगस्त के फैसले पर कोई स्पष्ट बहुमत वाली राय नहीं बन पाई है और मामले से जुड़े सभी पक्षों को नोटिस जारी किए। इसके अतिरिक्त, एनसीएलटी ने क्रेडिटर्स की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की अपील पर चंद्रा को अपनी प्रॉपर्टी को सीधे या अप्रत्यक्ष रूप से किसी और को ट्रांसफर करने या बेचने से भी रोक दिया है।

राजस्थान विधानसभा में विपक्ष के नेता का भाजपा पर निशाना, बोले-लोकतंत्र खत्म करने की हो रही कोशिश

जयपुर (नि.सं.)। राजस्थान विधानसभा में विपक्ष के नेता टीकाराम जूली ने भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने शुद्धिकरण मामले में एफआईआर, जीडीपी ग्रोथ, एलपीजी की कीमतों में बढ़ोतरी और नगर निकाय चुनाव के टिकटों को लेकर हुई बगावत जैसे मुद्दों पर बात की। आईएएनएस से बातचीत करते हुए टीकाराम जूली ने कहा, भाजपा और आरएसएस की ओर से लोकतंत्र को खत्म करने की साजिश रची जा रही है। हल्द्वानी में जो घटना हुई, वह कोई छोटी बात नहीं है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा के नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के जाने के बाद जगह का शुद्धिकरण कराना, यह अपने आप में दर्शाता है कि इन लोगों की सोच क्या है। ऐसा पहला मौका नहीं है, जब भी इनको मौका मिला है, दलितों और पिछड़ों की आलोचना करने का काम किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली-कानपुर रूट पर रेल यात्रियों को बड़ी राहत, रेलवे ने चलाईं दो नई विशेष ट्रेनें

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली से कई रूट की ट्रेनों में भीड़ अधिक होने के कारण यात्रियों को कंफर्म टिकट नहीं मिल रहा है। आने वाले दिनों में भीड़ और अधिक बढ़ेगी। इसे ध्यान में रखकर रेलवे विशेष ट्रेनें चला रहा है। इसी कड़ी में दिल्ली से कानपुर के लिए दो विशेष ट्रेनें चलाने की घोषणा की है। इसमें एक ट्रेन नई दिल्ली और दूसरी आनंद विहार टर्मिनल से चलेगी। दोनों ट्रेनों में शयनयान व वातानुकूलित श्रेणी के कोच होंगे और इनका रास्ते में अलीगढ़ व इटावा में ठहराव होगा। नई दिल्ली–कानपुर सेंट्रल सुपरफास्ट विशेष ट्रेन (02456/02455): यह विशेष ट्रेन सात सितंबर से 30 नवंबर तक सोमवार, बुधवार, शुक्रवार और शनिवार को चलेगी। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से यह सुबह पौने आठ बजे रवाना होकर दोपहर सवा एक बजे कानपुर सेंट्रल पहुंचेगी। वापसी में यह अपराह्न तीन बजे कानपुर सेंट्रल से चलकर देर शाम 8.20 बजे नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पहुंचेगी। आनंद विहार टर्मिनल– कानपुर सेंट्रल (02458/02457): यह विशेष ट्रेन आठ सितंबर से 29 नवंबर तक मंगलवार, गुरुवार और रविवार को चलेगी। आनंद विहार टर्मिनल से यह सुबह 8.20 बजे चलकर दोपहर सवा एक बजे कानपुर सेंट्रल पहुंचेगी। वापसी में कानपुर सेंट्रल से अपराह्न तीन बजे रवाना होकर देर शाम 8.10 बजे आनंद विहार टर्मिनल पहुंचेगी।

दिल्ली आने वाली अंतरराज्यीय बसों में सुरक्षा भगवान भरोसे

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में अंतरराज्यीय बसों की आवाजाही होती है, जिसमें यात्रियों के लिए निर्धारित मानकों की अनदेखी धड़ल्ले से हो रही है। सबसे बड़ा उल्लंघन खिड़कियों पर पर्दे लगाने को लेकर है। सुप्रीम कोर्ट का आदेश है कि दिल्ली में किसी भी बस में पर्दे नहीं लगाए जा सकते हैं। पर्दे लगाने की स्थिति में अंदर की लाइट जलाना अनिवार्य है, लेकिन उसका पालन नहीं होता है। इसी तरह, बसों में बंद कूपों की व्यवस्था समेत कई व्यवस्थाएं नियमों का उल्लंघन करती है। यहीं नहीं, बसों से अवैध तरीके से सामानों के साथ प्रतिबंधित ज्वलनशील सामानों की ढुलाई भी आम है। मनमाने तरीके से आपातकालीन निकास की जगह पर सीटें लगाने से भी आपात स्थिति में काफी गंभीर स्थिति बन जाती है। इसी तरह, चालकों और कंडक्टरों का व्यवहार भी पैसेंजर फ्रेंडली नहीं होता है। जिसके चलते यात्रियों से अक्सर विवाद की स्थिति बनी रहती है।

दिल्ली में जाम से निपटने को ट्रैफिक पुलिस की नई रणनीति, हॉटस्पॉट्स पर पहले से होगी निगरानी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की सड़कों पर जाम की समस्या से निपटने के लिए अब ट्रैफिक पुलिस संवेदनशील और जाम वाले स्थानों पर पहले से नजर रखेगी। इसके साथ ही ट्रैफिक व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए ट्रैफिक पुलिस संबंधित सभी विभागों और एजेंसियों के साथ मिलकर काम करेगी। सोमवार को दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने टोडापुर स्थित दिल्ली ट्रैफिक पुलिस मुख्यालय पहुंचकर ट्रैफिक यूनिट के कामकाज की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने ट्रैफिक जाम, सड़क सुरक्षा और यातायात से जुड़ी समस्याओं को कम करने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी ली। उपराज्यपाल ने वरिष्ठ ट्रैफिक अधिकारियों को निर्देश दिए कि यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए संबंधित एजेंसियों के साथ बेहतर तालमेल किया जाए। उन्होंने जाम वाले प्रमुख स्थानों पर पहले से प्रभावी प्रबंधन करने के साथ सड़क पर यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने को कहा है। कहा कि सड़क सुरक्षा और बेहतर यातायात व्यवस्था के लिए आम लोगों की भागीदारी भी जरूरी है। बैठक में एलजी को दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की ओर से यातायात सुधार के लिए चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने ट्रैफिक पाठशाला के बारे में बताया कि इसके जरिये यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों को सड़क सुरक्षा और नियमों के प्रति जागरूक किया जाता है। ट्रैफिक पंचायत में नागरिक एजेंसियों और दूसरे संबंधित पक्षों को यातायात प्रबंधन में शामिल करने के प्रयासों की भी जानकारी दी जाती है। अधिकारियों ने एलजी को बताया कि सम्मेलन के दौरान विदेशी राष्ट्राध्यक्षों, सरकारों के प्रमुखों, विदेशी प्रतिनिधियों और अन्य महत्वपूर्ण मेहमानों की आवाजाही के लिए पुख्ता और तकनीक आधारित ट्रैफिक व्यवस्था तैयार की जा रही है।

करीब डेढ़ दशक बाद भी अधूरे हैं दिल्ली की महिलाओं से किए वादे, फीडर बस से महिला मार्शल तक नहीं पहुंची सुरक्षा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिसंबर 2012 में निर्भया कांड के बाद दिल्ली में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सरकार और पुलिस की ओर से कई बड़े सुधारों और योजनाओं की घोषणा की गई थी। उद्देश्य था कि राजधानी में महिलाएं रात के समय भी खुद को सुरक्षित महसूस कर सकें और पुलिस व्यवस्था से लेकर सार्वजनिक परिवहन तक में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम हों। हालांकि, करीब डेढ़ दशक बाद भी इनमें से कई घोषणाएं पूरी तरह धरातल पर नहीं उतर सकीं। कई योजनाएं कागजों और दावों तक ही सीमित रह गईं। निर्भया कांड के बाद रात दस बजे के बाद सभी मेट्रो रूटों पर फीडर बसों की सुविधा शुरू करने की बात कही गई थी। इसका उद्देश्य महिलाओं को मेट्रो स्टेशन से ऐसे सुरक्षित स्थान तक पहुंचाना था, जहां से वे दूसरी सवारी लेकर आसानी से घर पहुंच सकें। हालांकि, यह व्यवस्था राजधानी में व्यापक और प्रभावी तरीके से लागू नहीं हो सकी। इसी तरह दिल्ली के सभी डार्क स्पाट खत्म करने का लक्ष्य भी तय किया गया था। इसके लिए अंधेरे और सूनसान स्थानों पर पर्याप्त स्ट्रीट लाइट और सुरक्षा-व्यवस्था करने की बात कही गई थी, लेकिन आज भी राजधानी में कई

ऐसे स्थान हैं जहां रात के समय पर्याप्त रोशनी और सुरक्षा व्यवस्था की कमी की शिकायतें सामने आती रहती हैं। सार्वजनिक परिवहन को सुरक्षित बनाने के लिए टेंपो और बसों को अलग-अलग रंगों में करने की योजना भी प्रस्तावित थी, लेकिन इसे भी पूरी तरह लागू नहीं किया जा सका। बसों में महिला यात्रियों की सुरक्षा के लिए हर बस में मार्शल तैनात करने का फैसला भी लंबे समय तक चर्चा में रहा, लेकिन सभी बसों में नियमित रूप से मार्शल की तैनाती सुनिश्चित नहीं हो सकी। वहीं महिलाओं से जुड़े मामलों की सुनवाई तेज करने के लिए दुष्कर्म के मामलों में 14 दिन के भीतर ट्रायल शुरू करने का लक्ष्य रखा गया था। व्यवहार में मुकदमों की जांच, चार्जशीट और न्यायिक प्रक्रिया में लगने वाले समय के कारण यह लक्ष्य भी पूरी तरह हासिल नहीं हो पाया। महिला सुरक्षा के लिए हर जिले में महिला थाना खोलने और सभी थानों में करीब 33 प्रतिशत महिला पुलिसकर्मियों की मौजूदगी सुनिश्चित करने की घोषणा भी की गई थी। लेकिन दोनों लक्ष्य अब तक पूरी तरह हासिल नहीं हो सके हैं।

दिल्ली के सभी सरकारी स्कूलों में बनेंगे मेडिकल रूम, छात्राओं को पीरियड्स के दौरान मिलेगी निजी जगह

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार के प्रत्येक स्कूल में मेडिकल रूम बनाए जाएंगे जिसमें प्राथमिक उपचार, अस्थायी विश्राम, स्वास्थ्य से संबंधित मार्गदर्शन और परामर्श की व्यवस्था होगी। छात्राओं के लिए मासिक धर्म से जुड़ी असुविधा के दौरान मेडिकल रूम में सुरक्षित और निजी स्थान की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। इस पहल की शुरुआत 100 स्कूलों में पायलट परियोजना के रूप में की जाएगी। उसके परिणाम के मूल्यांकन के आधार चरणबद्ध तरीके से सभी 1,086 सरकारी स्कूलों में इसका विस्तार होगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि मेडिकल रूम में प्राथमिक स्वास्थ्य सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रशिक्षित हेल्थ वर्कर्स की तैनाती होगी। आउटसोर्सिंग व्यवस्था के माध्यम से इनकी सेवा ली जाएगी। हेल्थ वर्कर्स प्राथमिक उपचार और बुनियादी स्वास्थ्य सहायता उपलब्ध कराने के साथ–साथ विद्यार्थियों को परामर्श देने और स्वास्थ्य जागरूकता से जुड़ी गतिविधियों में सहयोग करेंगे। स्वास्थ्य से संबंधित इस पहल के लिए स्कूल के आधारभूत संरचना का उपयोग किया जाएगा। योजना के पायलट क्रियान्वयन के लिए इस वर्ष के बजट में पांच करोड़ रुपये का प्रविधान किया गया है। यह कदम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सुरक्षित, समावेशी और स्वास्थ्य–सहायक विद्यालयी वातावरण के दृष्टिकोण के अनुरूप है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों की पढ़ाई में होने वाले व्यवधान को न्यूनतम करते हुए उनके शारीरिक और भावनात्मक कल्याण को बढ़ावा देना है।

शेयर बाजार में मुनाफे का झांसा, 20.72 लाख की साइबर ठगी; बैंक का डिप्टी मैनेजर समेत तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में निवेश कर आकर्षक मुनाफा दिलाने का झांसा देकर 20.72 लाख रुपये की

साइबर ठगी के मामले में उत्तर-पश्चिम जिला पुलिस की साइबर थाना टीम ने तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है।

आरोपितों में निजी बैंक का डिप्टी मैनेजर आरिफ हुसैन मंसूरी भी शामिल है। पुलिस के अनुसार, वह दो प्रतिशत कमीशन के बदले साइबर ठगों को बैंक खाते की सुविधा उपलब्ध कराने में संलिप्त था। आरोपितों के कब्जे से अपराध में इस्तेमाल चार मोबाइल फोन बरामद किए गए।

उदयपुर में हुई आरोपियों की पहचानत्र पुलिस उपायुक्त आकांक्षा यादव के मुताबिक, पीड़ित नितिन अरोड़ा की शिकायत पर साइबर थाना में पिछले साल फरवरी में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। जांच के दौरान ठगी की रकम के लेनदेन, बैंक खातों, मोबाइल नंबरों और तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण किया गया।

जांच में रकम एक बैंक खाते में पहुंचने और चेक के माध्यम से निकाले जाने की जानकारी सामने आई। बाद में तकनीकी निगरानी और मैनुअल सत्यापन के आधार पर पुलिस ने मावली, उदयपुर में आरोपितों की पहचान की।

इसके बाद थाना प्रभारी दिनेश कुमार की टीम ने आरोपित कन्हैया दास और राहुल टेलर को गिरफ्तार किया। पूछताछ में पता चला कि कन्हैया ने ठगी की रकम के लिए अपना बैंक खाता उपलब्ध कराया, जबकि राहुल नकदी निकालने और रकम स्थानांतरित करने में शामिल था। आगे की जांच में आरिफ हुसैन मंसूरी की भूमिका सामने आई। डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर उसे भी अब गिरफ्तार कर लिया गया है। जांच में सामने आया कि आरोपित मंसूरी अप्रैल 2024 से संबंधित बैंक में कार्यरत था। तीनों मूल तौर पर आरोपित राजस्थान के उदयपुर के रहने वाले हैं।

एम्स केयर परीक्षा में गड़बड़ी: जयपुर के दो केंद्रों पर परीक्षा रद्द, 7 सितंबर को होगा री-एग्जाम

नई दिल्ली, एजेंसी। एम्स नई दिल्ली की ओर से देश के विभिन्न एम्स और केंद्रीय सरकारी एवं स्वायत्त स्वास्थ्य संस्थानों में गैर-शैक्षणिक पदों पर भर्ती के लिए कामन रिक्रूटमेंट एग्जामिनेशन (सीआरई) कराया जा रहा है। दो दिन चलने वाली इस परीक्षा के पहले दिन सोमवार को जयपुर के दो परीक्षा केंद्रों पर गड़बड़ी हुई, जिसके बाद वहां परीक्षा को निरस्त कर दिया गया। अब इन दोनों केंद्रों पर यह परीक्षा सात सितंबर को दोबारा कराई जाएगी। इन केंद्रों पर दो हजार परिक्षार्थी पंजीकृत थे। उधर, परीक्षा का संचालन कर रही टीसीएस कंपनी ने एम्स प्रशासन को बताया है कि यह गड़बड़ी परीक्षा केंद्रों पर बिजली व्यवस्था के फेलियर होने से हुई है। अब यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि सात सितंबर को होने वाली परीक्षा में इस तरह की गड़बड़ी दोबारा न हो। एम्स प्रबंधन की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार सीआरई के माध्यम से विभिन्न संस्थानों में ग्रुप बी और ग्रुप सी के गैर-शैक्षणिक पदों पर भर्ती की जाती है। इसका उद्देश्य विभिन्न संस्थानों की भर्ती प्रक्रिया को साझा परीक्षा के माध्यम से संचालित करना है। एम्स नई दिल्ली के परीक्षा अनुभाग को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने वर्ष 2021 से इस परीक्षा के आयोजन की जिम्मेदारी दी हुई है। सीआरई-2026 की भर्ती प्रक्रिया में 57 पद समूहों में 1484 रिक्तियां शामिल हैं। इनमें जूनियर प्रशासनिक सहायक, वरिष्ठ प्रशासनिक सहायक, डाटा एंट्री आपरेटर, निजी सहायक,

स्टेनोग्राफर, निजी सचिव, सहायक सुरक्षा अधिकारी, रिसेप्शनिस्ट, जूनियर मेडिकल रिकार्ड अधिकारी, जूनियर वार्डन, हास्टल वार्डन, टेलीफोन आपरेटर और सामाजिक सुरक्षा अधिकारी समेत विभिन्न पद हैं। परीक्षा के लिए कुल 30,142 अभ्यर्थी पंजीकृतः एम्स के अनुसार सीआरई के लिए कुल 30,142 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया था। सोमवार की पहली पाली में 21,098 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 16,193 ने परीक्षा दी। देशभर के परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार हुई। जयपुर में टीसीएस संचालित आइओएन डिजिटल जोन सीतापुरा स्थित परीक्षा केंद्र नंबर आरजे 0101 और आरजे 0102 केंद्रों पर परीक्षा में गड़बड़ी की शिकायत सामने आई। इनमें आरजे0101 पर 1,342 और आरजे0102 पर 436 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए। यह परीक्षा सोमवार व मंगलवार को तीन पालियों में हो रही है। एम्स प्रबंधन का कहना है कि जयपुर के इन दो केंद्रों को छोड़कर देशभर के अन्य परीक्षा केंद्रों पर कोई गड़बड़ी की शिकायत नहीं मिली है।

डीयू एनसीडब्ल्यूईबी की पांचवीं कटऑफ जारी

बीए में सामान्य वर्ग की सीटें लगभग खत्म, बीकाम में 14 सेंटरों पर मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विश्वविद्यालय के नान-कालेजिएट वूमेन एजुकेशन बोर्ड (एनसीवेब) में दाखिले के लिए सामान्य वर्ग की

छात्राओं के लिए बीए प्रोग्राम में अवसर अब बेहद सीमित रह गए हैं। पांचवीं कटआफ में अधिकांश कालेज सेंटरों पर बीए प्रोग्राम इतिहास-राजनीति विज्ञान संयोजन में सामान्य वर्ग की सीटें भर चुकी हैं। इसके उलट बीकाम प्रोग्राम में सामान्य वर्ग की छात्राओं के लिए अभी भी 14 कालेज सेंटरों पर दाखिले का विकल्प खुला है। ऐसे में बीए की तुलना में बीकाम सामान्य वर्ग की छात्राओं के लिए अधिक राहत लेकर आया है।

पांचवी कटऑफ जारी की: एनसीवेब ने पांचवीं कटआफ जारी कर दी है। इसके आधार पर छात्राएं एक और दो सितंबर को दाखिला ले सकेंगी। बीए प्रोग्राम इतिहास-राजनीति विज्ञान संयोजन में अदिति और भगिनी निवेदिता कालेज सेंटर पर सामान्य वर्ग की कटआफ 38 प्रतिशत रही।

डा. बीआर आंबेडकर कालेज में 57 प्रतिशत, भारती कालेज में 67 प्रतिशत और सत्यवती कालेज ईवनिंग में 45 प्रतिशत पर दाखिला मिलेगा। बीए में सामान्य वर्ग की सीटें कई सेंटरों पर भर चुकी हैं। वहीं एससी, एसटी, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस और पीडब्ल्यूडी वर्ग की छात्राओं के लिए अभी अवसर बने हुए हैं। विभिन्न सेंटरों पर इन वर्गों में 35 से 79.5 प्रतिशत तक की कटआफ पर दाखिला दिया जा रहा है। हालांकि कटआफ कालेज सेंटर के अनुसार अलग-अलग है।

12 सेंटरों पर सामान्य वर्ग के दाखिले बंद: बीकाम में कुल 26 कॉलेज सेंटरों में से 12 पर सामान्य वर्ग के दाखिले बंद हो चुके हैं, जबकि 14 सेंटरों पर अभी सीटें उपलब्ध हैं। इन सेंटरों पर अलग-अलग कटआफ के आधार पर 35 से 45 प्रतिशत तक पर दाखिला मिल सकता है। अदिति और भगिनी निवेदिता कालेज सेंटर पर सभी श्रेणियों की छात्राओं के लिए बीकाम की कटआफ 35 प्रतिशत रखी गई है। वहीं हंसराज कालेज सेंटर ने बीकाम में ओबीसी के लिए 79.25, एसटी के लिए 74, ईडब्ल्यूएस के लिए 79.25 और पीडब्ल्यूडी के लिए 69.25 प्रतिशत कटआफ जारी की है। मिरांडा हाउस में ओबीसी की कटऑफ 79, ईडब्ल्यूएस की 79.25 और पीडब्ल्यूडी की 69.25 प्रतिशत रही।

आईजीआई एयरपोर्ट पर व्यवहार से पकड़ा संदिग्ध कपड़ों के बीच छिपे मिले 85000 यूएई दिरहम

नई दिल्ली, एजेंसी। आइजीआइ अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर सीआइएसएफ के जवानों ने व्यवहार के आधार पर संदिग्ध यात्री की पहचान कर उसके

हैंडबैग से 85 हजार यूएइ दिरहम बरामद किए हैं। बरामद विदेशी मुद्रा की भारतीय मुद्रा में कीमत करीब 22.08 लाख रुपये बताई गई है। यात्री दुबई जाने वाली फ्लाईदुबई की उड़ान एफजेड-442 से यात्रा करने वाला था। मामले में यात्री और बरामद मुद्रा को आगे की जांच और कानूनी कार्रवाई के लिए कस्टम विभाग को सौंप दिया गया है।

सीआइएसएफ के अनुसार, 30 अगस्त को इंटरनेशनल डिपार्चर क्षेत्र में चेक-इन इन्वेस्टिगेशन विंग के जवान यात्रियों की प्रोफाइलिंग और व्यवहार के आधार पर निगरानी कर रहे थे। इसी दौरान एक यात्री की गतिविधियां संदिग्ध लगीं। उसे विस्तृत जांच के लिए चिन्हित किया गया। इसके बाद यात्री के सामान की जांच की गई। हैंडबैग की तलाशी लेने पर उसमें कपड़ों और सामानों के बीच छिपाकर रखे गए यूएई दिरहम बरामद हुए। गौरतलब हो कि एयरपोर्ट पर विदेशी मुद्रा और बिना हिसाब के नकदी की बरामदगी के मामले में 20 अगस्त को भी सीआइएसएफ ने दो यात्रियों के पास से 68.53 लाख रुपये की नकदी बरामद की थी। रैंडम एक्स-बीआईएस क्षेत्र में तैनात सीआइएसएफ कर्मियों ने व्यवहार के आधार पर एक यात्री को संदिग्ध पाया था। सीसीटीवी फुटेज की जांच के बाद उसके साथ यात्रा कर रहे दूसरे यात्री की भी पहचान की गई थी। दोनों यात्री गुवाहाटी होते हुए अगरतला जा रहे थे। सामान की जांच में कुल 68,53,500 रुपये बरामद हुए थे। दोनों यात्रियों और नकदी को आयकर विभाग को सौंपा गया था। वहीं 17 जुलाई को भी सीआइएसएफ ने टर्मिनल-1 पर कोलकाता जाने वाले एक यात्री को संदिग्ध व्यवहार के आधार पर पकड़ा था। विस्तृत तलाशी में उसके कपड़ों में छिपाकर रखा गया 1.210 किलो सोना और 1,97,200 रुपये की बिना हिसाब की नकदी बरामद हुई थी।

दिल्ली में 70 साल की उम्र पर राशन दुकान का लाइसेंस होगा रद्द! नए गजट नोटिफिकेशन पर डीलरों में रोष

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार के नए गजट नोटिफिकेशन-2026 में 70 वर्ष की आयु पूरी होने पर उचित मूल्य की दुकान (एफपीएस) का लाइसेंस रद्द किए जाने के प्रविधान को लेकर राशन दुकानदारों में नाराजगी है। दिल्ली सरकारी राशन डीलर्स संघ के मुताबिक, इस प्रविधान से राजधानी के सैकड़ों वरिष्ठ राशन डीलरों का लाइसेंस प्रभावित हो सकता है और उनके सामने रोजगार का संकट खड़ा हो जाएगा। इसी मुद्दे को लेकर सोमवार को दिल्ली सरकारी राशन डीलर्स संघ के बैनर तले वरिष्ठ राशन दुकानदार केशवपुरम में जुटे। बैठक में भाजपा सांसद योगेंद्र चंदोलिया भी पहुंचे। उन्होंने राशन डीलरों को आश्वासन दिया कि उनकी मांग को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और खाद्य मंत्री सरदार मनजिंदर सिंह सिरसा के सामने उठाया जाएगा। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ राशन दुकानदारों की समस्याओं का समाधान कराने का प्रयास किया जाएगा। वहीं संघ ने कहा कि सरकार से बातचीत के बाद भी राहत नहीं मिली तो कानूनी विकल्प पर विचार किया जाएगा। संघ के अध्यक्ष शिव कुमार गर्ग ने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान दिल्ली के करीब 2,000 राशन डीलरों ने जोखिम उठाकर जरूरतमंद उपभोक्ताओं तक खाद्यान्न पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उनके मुताबिक, इस दौरान 20 से अधिक राशन डीलरों की कोरोना संक्रमण के कारण मौत भी हो गई थी।

गर्ग ने राशन आपूर्ति और भुगतान से जुड़ी समस्याएं भी उठाईं। उन्होंने दावा किया कि अगस्त, सितंबर और अक्टूबर का राशन एक साथ वितरित करने के निर्देश के बावजूद कई दुकानों पर दो महीने का राशन भी पूरी तरह नहीं पहुंचा है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कई महीनों से दुकानदारों को मार्जिन मनी/कमीशन का भुगतान नहीं हुआ है।

दिल्ली में रांग साइड ड्राइविंग पर ट्रैफिक पुलिस का शिकंजा

नई दिल्ली, एजेंसी। सड़क पर गलत दिशा में वाहन चलाने वालों के खिलाफ उत्तरी रेंज ट्रैफिक पुलिस ने सख्त कार्रवाई की है। रविवार को चलाए गए विशेष अभियान के दौरान पुलिस ने गलत दिशा में वाहन दौड़ाने वाले चालकों के 527 मामलों में चालान काटे, जबकि गंभीर उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ नौ एफआइआर दर्ज की गईं। अभियान के तहत रेंज के सभी ट्रैफिक सर्किल में पुलिसकर्मियों ने विशेष निगरानी रखी। गलत दिशा में वाहन चलाने के लिहाज से संवेदनशील स्थानों पर ट्रैफिक पुलिस की मौजूदगी बढ़ाई गई और नियमों की अनदेखी करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ मौके पर कार्रवाई की गई।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, अभियान का उद्देश्य सड़क पर खतरनाक तरीके से वाहन चलाने की प्रवृत्ति पर रोक लगाना और सड़क हादसों को कम करना है। गलत दिशा में वाहन चलाना सबसे खतरनाक ट्रैफिक उल्लंघनों में से एक है।

थोड़ी सी जल्दबाजी और जिंदगी भर का पछतावा

विपरीत दिशा में वाहन चलाने से सामने से आने वाले वाहन से सीधी टक्कर की आशंका रहती है। तेज रफ्तार

सड़क पर यह खतरा और बढ़ जाता है। अचानक सामने आने वाले वाहन को देखकर दूसरे चालक को संभलने का पर्याप्त समय नहीं मिल पाता, जिससे गंभीर हादसा हो सकता है। इस दौरान पुलिस ने ऐसे वाहन चालकों को चिन्हित किया, जो जाम से बचने, शार्टकट लेने या थोड़ी दूरी बचाने के लिए सड़क की गलत दिशा में वाहन चला रहे थे। मामूली उल्लंघन के मामलों में चालान किया गया, जबकि गंभीर मामलों में एफआइआर दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की गई।

अल्काराज की 139 दिन बाद जीत से वापसी

यूएस ओपन के दूसरे राउंड में पहुंचे, सबालेंका भी जीतीं

यूएस (एजेंसी)। यूएस ओपन 2026 में डिफेंडिंग चैंपियन कार्लोस अल्काराज ने 139 दिन बाद सिंगल्स कोर्ट पर जीत के साथ वापसी की। अल्काराज कलाई की चोट के कारण चार महीने से ज्यादा समय तक टेनिस से दूर थे। स्पेन के खिलाड़ी ने न्यूयॉर्क के आर्थर एश स्टेडियम में रूस के रोमन सफीउलिन को 6-4, 6-4, 6-4 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई। वहीं, विमेंस सिंगल्स में दो बार की डिफेंडिंग चैंपियन आर्यना सबालेंका ने कैमिला ओसोरियो को 6-2, 6-4 से हराया।अल्काराज ने चोट के कारण इस दौरान फ्रेंच ओपन और विंबलडन में हिस्सा नहीं लिया था। मैच के दौरान वह दाहिने हाथ पर कम्प्रेशन स्लीव पहनकर खेले।

स्वियातेक और नोस्कोवा भी जीतीं

छठी ग्रैंड स्लैम चैंपियन इगा स्वियातेक ने चीन की वांग शियू को 6-2, 6-3 से हराकर शुरुआत की। विंबलडन चैंपियन लिंडा नोस्कोवा ने अमेरिका की केटी वोलीनेट्स को 7-5, 6-1 से हराया। वहीं, पिछले साल यूएस ओपन की रनर-अप अमांडा अनिसिमोवा ने अपने 25वें जन्मदिन पर एशलिन क्रूगर को 6-1, 6-3 से शिकस्त दी।

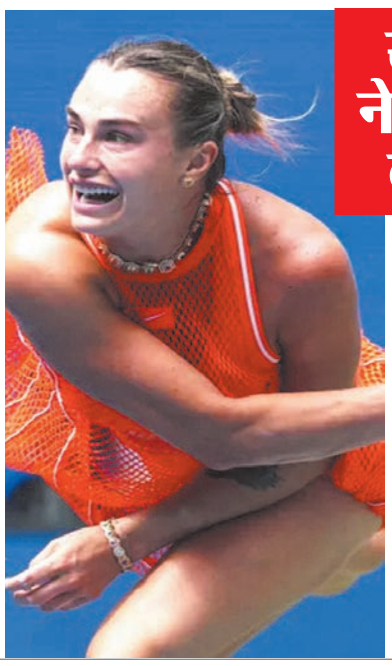

सबालेंका ने ओसोरियो को हराया

महिला सिंगल्स में दुनिया की नंबर-1 आर्यना सबालेंका ने कैमिला ओसोरियो को 6-2, 6-4 से हराया। इसके साथ ही उनका लगातार तीसरा स-ओपन खिताब जीतने का अभियान जारी रहा। वह ओपन एरा में लगातार तीन स-ओपन खिताब जीतने वाली तीसरी महिला बन सकती हैं। उनसे पहले सेरेना विलियम्स और क्रिस एवर्ट ऐसा कर चुकी हैं। पहला सेट आसानी से जीतने के बाद सबालेंका को दूसरे सेट में संघर्ष करना पड़ा। हालांकि 4-4 के स्कोर के बाद वापसी कर मैच अपने नाम कर लिया। अगले दौर में उनका सामना रूस की क्वालिफायर पोलिना यात्सेंको से होगा।

● **अल्काराज बोले- लय हासिल करने के लिए और मैच खेलने की जरूरत -** अल्काराज की वापसी जीत शानदार रही, लेकिन सर्विस में उन्हें संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने कहा कि चार महीने बाद वापसी में उन्हें मैच फिटनेस को लेकर थोड़ी चिंता थी। उन्हें यह भी संदेह था कि वह पांच सेट का मैच खेल पाएंगे या नहीं। जीत के बाद उन्होंने कहा कि उन्हें लय हासिल करने के लिए अभी और मैच खेलने की जरूरत है। कार्लोस अल्काराज 2004 से 2008 के बीच लगातार पांच बार खिताब जीतने वाले रोजर फेडरर के बाद यूएस ओपन पुरुष सिंगल्स का खिताब लगातार दूसरी बार जीतने वाले पहले खिलाड़ी बनने की कोशिश में हैं।

सूर्यवंशी दूसरी पारी में 40 रन बनाकर आउट

दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में ईस्ट जोन- 94/3, सेंट्रल जोन ने 159 रन का टारगेट दिया

नईदिल्ली (एजेंसी)। दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में ईस्ट जोन के उपकप्तान वैभव सूर्यवंशी दूसरी पारी में 40 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने सेंट्रल जोन के खिलाफ अपनी पारी में 3 चौके और 2 छक्के लगाए। सेंट्रल जोन की दूसरी पारी 158 रन पर सिमट गई। ईस्ट जोन को टेस्ट मैच जीतने के लिए 159 रन का टारगेट मिला है। इसके जवाब में टीम ने 27 ओवर में 3 विकेट पर 94 रन बना लिए हैं। कुमार कुशाग्र 16 और कप्तान ईशान किशन 1 रन बनाकर खेल रहे हैं।

सेंट्रल जोन ने 37 रन पर 3 विकेट गंवा दिए थे

सेंट्रल जोन की शुरुआत खराब रही और 37 रन तक टीम के तीन विकेट गिर गए। कप्तान रजत पाटीदार 5 और रिंकू सिंह 20 रन ही बना सके। 95 रन तक 7 विकेट गंवाने के बाद अरशद खान ने लोअर ऑर्डर के साथ मिलकर टीम को 150 रन के पार पहुंचाया। हालांकि टीम 158 रन पर ही सिमट गई। अमन मोखाड़े ने टीम के लिए सबसे ज्यादा 41 रन बनाए। अरशद खान ने 25 और हर्ष दुबे ने 24 रन की पारी

मुकेश कुमार को 4, शमी को 3 विकेट - ईस्ट जोन की ओर से मुकेश कुमार सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 12 ओवर में 44 रन देकर 4 विकेट लिए। मोहम्मद शमी ने 3, जबकि अभिजीत सरकार, अनुकूल रॉय और कुनैन कुरैशी ने 1-1 विकेट लिया।

मेसी ने इंटरनेशनल फुटबॉल से संन्यास लिया

इंस्टाग्राम पर इमोशनल पोस्ट की, लिखा- यह फैसला बेहद मुश्किल और दर्दनाक

मेसी ने पोस्ट में क्या लिखा फैसला तकलीफदेह था

- मेसी ने लिखा, 'यह फैसला लेना तकलीफदेह था और आज भी दिल के अंदर तक दुख देता है, लेकिन मैं समझता हूं कि अब समय आ गया है। मैंने हमेशा अपना सब कुछ दिया है। सिर्फ उन पिछले कुछ सालों में नहीं, जब हमने सब कुछ जीता, बल्कि उससे पहले भी।'
- मैंने इस जर्सी के लिए हमेशा संघर्ष किया। मैदान पर अपना सब कुछ छोड़ा, ताकि आपको खुशी दे सकूं। फुटबॉल के जरिए आपको अर्जेंटीनियन होने पर गर्व महसूस करा सकूं।
- समय कम बचा है और अध्याय खत्म होते हैं। यह भी ऐसा ही एक अध्याय है, जो मुझे बहुत दुख देता है। मुझे राष्ट्रीय टीम का हिस्सा बनना पसंद था, पसंद है और हमेशा रहेगा।
- मैंने अपने पास मौजूद सब कुछ दे दिया है। अब मेरे पास देने के लिए कुछ नहीं बचा है। इसके अलावा, कई बेहतरीन युवा खिलाड़ी आ रहे हैं, जो यहां होने के हकदार हैं।

अर्जेंटीना को 2022 में फुटबॉल वर्ल्ड कप जिताया

मेसी अपने देश के सबसे ज्यादा गोल करने वाले और सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने 2005 में अर्जेंटीना के लिए डेब्यू किया था। वे टीम के लिए 6 वर्ल्ड कप खेले चुके हैं।

ब्राजील (एजेंसी)। मेसी ने 2016 में भी संन्यास लिया था। तब वे 3 वर्ल्ड कप में कप्तानी कर चुके थे, लेकिन जीत नहीं सके थे। उन्होंने अपना फैसला बदला और टीम को 2022 का वर्ल्ड कप जिताया। स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने इंटरनेशनल फुटबॉल को अलविदा कह दिया है। उन्होंने सोमवार को सोशल मीडिया पर हाथ से लिखे नोट की तस्वीर के साथ संन्यास का ऐलान किया। 39 साल के मेसी ने बताया कि फाइनल के 2 दिन बाद 21 जुलाई को ही उन्होंने संन्यास का फैसला लिख लिया था। उनका आखिरी मैच वर्ल्ड कप फाइनल था, जिसमें अर्जेंटीना को स्पेन से हार मिली थी। मेसी ने लिखा कि उनके पिता जॉर्ज मेसी की मौत के बाद उन्हें लगा कि अर्जेंटीना के लिए करियर खत्म करने का यही सही समय है। जॉर्ज मेसी का 8 अगस्त को सेंट्रल अर्जेंटीना के रोसारियो शहर के एक अस्पताल में निधन हुआ था। वे 68 साल के थे।

पिता के निधन के बाद कहा था- ज्यादा नहीं खेल पाऊंगा

मेसी ने अपने पिता की मौत के बाद एक पोस्ट में लिखा था कि उन्हें इस बात को लेकर 'काफी संदेह' था कि वे ज्यादासमय तक अर्जेंटीना के लिए खेल पाएंगे या नहीं।उन्होंने स्पेन के खिलाफ वर्ल्ड कप फाइनल में अपने प्रदर्शन को लेकर भी लिखा था, 'मेरे पैर अब आगे नहीं बढ़ पा रहे थे। इस बार मैंने अपनी शारीरिक सीमाओं से आगे जाने की कोशिश की, लेकिन मैं ऐसा नहीं कर सका।'

स्टोक्स की 11 साल बाद बिग बैश लीग में वापसी

एडिलेड स्ट्राइकर्स से जुड़े. पूरा सीजन खेलेंगे

लंदन (एजेंसी)। इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास के बाद बेन स्टोक्स बिग बैश लीग की टीम एडिलेड स्ट्राइकर्स से जुड़े हैं। वे फ्रेंचाइजी के साथ 5 लाख ऑस्ट्रेलियाई डॉलर में जुड़े। एग्रीमेंट के अनुसार, अगर स्ट्राइकर्स क्वालिफाई करते हैं, तो स्टोक्स टूर्नामेंट के आखिरी दौर तक टीम के साथ रहेंगे। इस सीजन का फाइनल 26 जनवरी 2027 को होगा। स्टोक्स ने आखिरी बार 2015 की शुरुआत में बीबीएल मैच खेला था। 2023 में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए आईपीएल खेलने के बाद से उन्होंने कोई टी-20 क्रिकेट नहीं खेला है। बीबीएल ने इस पोस्ट के लिए स्टोक्स की वापसी का ऐलान किया।

स्टोक्स ने खुद स्ट्राइकर्स को चुना

स्टोक्स ने बीबीएल में लौटने की इच्छा जताई थी, जिसके बाद साउथ ऑस्ट्रेलियन क्रिकेट एसोसिएशन (एसएसीए) के क्रिकेट जनरल मैनेजर साइमन इंस्ली ने उनसे बातचीत की। स्टोक्स को सिडनी सिक्सर्स और मेलबर्न रेनेगेड्स जैसी टीमों भी अपने साथ जोड़ना चाहती थीं। स्ट्राइकर्स अभी दो अन्य बड़े नामों के साथ बातचीत कर रहे हैं। टीम को उम्मीद है कि जल्द ही उनके साथ जुड़ने की पुष्टि कर दी जाएगी। उनका पहला मैच कैनबरा में सिडनी थंडर के खिलाफ होगा।

भारत ने पांच बार की फुटबॉल वर्ल्ड चैंपियन ब्राजील से खेलने के लिए टीम का किया ऐलान

कोलकाता (एजेंसी)। भारत में फुटबॉल को बढ़ावा देने के लिए फीफा वर्ल्ड कप में भाग ले चुकी तीन टीमें-पनामा, ब्राजील और उरुग्वे- भारत का दौरा करने वाली है। ये तीनों टीमें सितंबर और अक्टूबर में भारतीय फुटबल टीम से फ्रेंडली मैच भी खेलने वाली है. जिससे भारत को खुद को परखने का मौका मिलेगा। भारतीय टीम 26 सितंबर को बेंगलुरु के श्री कांतीरवा स्टेडियम में पनामा के खिलाफ मैच खेलेगी. इसके बाद वे कोलकाता जाएंगे, जहां उनका मुकाबला 3 अक्टूबर को पांच बार की वर्ल्ड चैंपियन ब्राजील और 6 अक्टूबर को दो बार की वर्ल्ड चैंपियन उरुग्वे से होगा। बता दें कि ये तीनों टीमें इस साल की शुरुआत में हुए स्रह्णस्न वर्ल्ड कप में खेली थीं, लेकिन पनामा और उरुग्वे ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गई थीं जबकि ब्राजील राउंड ऑफ 16 में नार्वे से हारकर बाहर हो गई थी। इस तीन इंटरनेशनल फ्रेंडली मैचों के लिए भारतीय फुटबॉल टीम के हेड कोच खालिद जमील ने 26 खिलाड़ियों की टीम की घोषणा भी कर दी. जिसमें चार गोलकीपर, आठ डिफेंडर, आठ मिडफील्डर और छह फॉरवर्ड शामिल हैं।

भारतीय फुटबॉल टीम

गोलकीपर- एल्बिनो गोम्स, गुरप्रीत सिंह संधू, प्रभसुखन सिंह गिल, सोम कुमार.
डिफेंडर- अभिषेक सिंह टेकचम, आकाश मिश्रा, अनवर अली, बिजॉय वर्गीज, हिमंगथनमाविया राल्टे, जय गुप्ता, प्रमवीर, रिकी मीतेई हाओबाम.
मिडफील्डर- अनिरुद्ध थापा, आशिक कुरुनियन, फारुख चौधरी, लालेंगमाविया राल्टे, मैकार्टन निक्सन, मोहम्मद सनन, रिकी शबोंग, सहल अब्दुल समद.
फॉरवर्ड- एडमंड लालरिंडिका, इरफान यादवाड, मनवीर सिंह, रहीम अली, रयान विलियम्स, विक्रम प्रताप सिंह।

चार रिजर्व खिलाड़ी

गोलकीपर ऋतिक तिवारी, डिफेंडर चिंगलेनसाना सिंह कोंशम और रोशन सिंह नाओरेम, मिडफील्डर सुरेश सिंह वांगजाम। पनामा के खिलाफ मैच से पहले तैयारी कैंप के लिए भारतीय टीम 14 सितंबर को बेंगलुरु में इकट्ठा होगी. पहला मैच खेलने के बाद, भारतीय टीम 28 सितंबर को कोलकाता के लिए रवाना होगी, ताकि विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन में होने वाले बाकी दो मैचों की तैयारी कर सके।

फ्रेंडली मैच का कार्यक्रम

26 सितंबर - भारत बनाम पनामा - श्री कांतीरवा स्टेडियम, बेंगलुरु

3 अक्टूबर - भारत बनाम ब्राजील-विवेकानंद युवा भारती क्रीरांगन, कोलकाता

6 अक्टूबर - भारत बनाम उरुग्वे - विवेकानन्द युवा भारती क्रीरांगन, कोलकाता

वर्ल्ड रेसलिंग एंटरटेनमेंट में तीन रेसलर्स पर हमला

● उसोज और सिकोआ घायल,खून से सने विजुअल्स को ब्लर किए गए

नईदिल्ली (एजेंसी)। डब्ल्यूडब्ल्यूई के मंडे नाइट रॉ के हालिया एपिसोड में द उसोज, जिमी उसो और सोलो सिकोआ पर जानलेवा हमला किया गया। इसके बाद उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया। शो के कमेंटेटर जो टेसिटोर ने इसकी जानकारी दी। हमले के वीडियो में इतना खून-खराबा था कि टीवी स्क्रीन पर विजुअल्स को ब्लर किया गया। फुटेज को फ्रीज करके सेंसर भी करना पड़ा।

द उसोज पर कार के पास हमला- रॉयस कीज और ओटीएम ने रॉ की शुरुआत में द उसोज, जिमी उसो पर हमला कर दिया।हमलावरों ने जिमी को कार के ऊपर पटक दिया। इसके बाद जे उसो को भी बुरी तरह पीटा गया। जे का चेहरा खून से लथपथ नजर आया, जिसके कारण डब्ल्यूडब्ल्यूई ने टीवी पर उस हिस्से को ब्लर कर दिया।

हमले के दौरान जैकब फाटू वहां पहुंचे और हमलावरों का पीछा करने की कोशिश की। हालांकि, रॉयस कीज और ओटीएम वहां से निकल गए। इस हमले ने रॉयस कीज और ओटीएम को डब्ल्यूडब्ल्यूई में एक बड़े खतरे के तौर पर स्थापित कर दिया है।

सोलो सिकोआ पर बैकस्टेज हमला

सोलो सिकोआ को बैकस्टेज निशाना बनाया गया। इसके बाद वह घायल हालत में पड़े मिले। इस हमले के लिए रोमन रेंस का नाम सामने आया, लेकिन रेंस ने इसमें अपना हाथ होने से इनकार किया। रेंस ने एलए नाइट का नाम भी इस मामले में नहीं जोड़ने की बात कही।

तीनों को मेडिकल सेंटर ले जाया गया

जो टेसिटोर ने बताया कि रॉ में हुई घटना के बाद कई स्टार्स को अस्पताल ले जाया गया। उन्होंने कहा कि सोलो सिकोआ, जे उसो और जिमी उसो को स्थानीय मेडिकल सेंटर पहुंचाया गया है। उन्होंने बताया कि डॉक्टर इन तीनों की चोटों का आकलन कर रहे हैं। जो टेसिटोर ने कहा,हमें अभी इस बात की जानकारी मिली है, जो हम आपके साथ साझा कर रहे हैं।

मुझे हमेशा याद रहेगा... आईसीसी चेयरमैन जय शाह का लियोनेल मेसी के रिटायरमेंट पर बड़ा बयान

अर्जेंटीना के स्टार खिलाड़ी लियोनेल मेसी ने 31 अगस्त को इंटरनेशनल फुटबॉल को अलविदा कह दिया. जिसके बाद खेल से जुड़ी बड़ी से बड़ी हस्तियां उन्हें शानदार करियर के लिए बधाई और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दे रहे हैं। इसी क्रम में इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) के चेयरमैन जय शाह ने मंगलवार को मेसी से मुलाकात को याद करते हुए उनके इंटरनेशनल करियर के लिए बधाई दी और अगले सफर के लिए शुभकामनाएं भी दीं। जय शाह ने एक्स पर एक तस्वीर शेयर करके लिखा, एक यादगार इंटरनेशनल सफर का अब समाप्त हो रहा है. भारत की आपकी ऐतिहासिक यात्रा के दौरान हुई हमारी मुलाकात को याद करते हुए, मैदान पर आपकी बेमिसाल प्रतिभा के साथ-साथ आपका जबरदस्त विनम्र स्वभाव भी मुझे हमेशा याद रहेगा. आपको व्यक्तिगत रूप से हमारे देश की जर्सी भेंट करना, खेल जगत के लिए एक गर्व भरा पल था।

लाबुशेन ऑस्ट्रेलिया की वनडे टीम से बाहर

- जिम्बाब्वे-साउथ अफ्रीका सीरीज के लिए नहीं चुने गए
- जोएल डेविस को मौका, स्टार्क-कमिंस की वापसी

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया ने जिम्बाब्वे और साउथ अफ्रीका दौरे के लिए 17 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। खराब फॉर्म से जूझ रहे मार्नस लाबुशेन को टीम में जगह नहीं मिली है। वहीं जोएल डेविस पहली बार वनडे टीम में चुने गए हैं। मिचेल मार्श और ट्रैविस हेड की वापसी हुई है, जबकि पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में टीम से जुड़ेंगे।

लाबुशेन ने 2023 वनडे वर्ल्ड कप फाइनल में अर्धशतक लगाया - लाबुशेन लंबे समय से ऑस्ट्रेलिया की वनडे टीम का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने 2023 वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में भारत के खिलाफ नाबाद अर्धशतक लगाकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com